RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:77 ता. 17 सितम्बर 2022, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति मुर्मू ने लखनऊ में दीवार गिरने के हादसे में नौ लोगों की मौत पर शोक जताया

नई दिल्ली । देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को यूपी की राजधानी लखनऊ में दीवार गिरने के हादसे में नौ लोगों की मौत पर गहरा शोक जताया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। राष्ट्रपति भवन ने मुर्मू के हवाले से ट्वीट किया, 'लखनऊ में दीवार गिरने से लोगों की मौत का समाचार सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। शोक संतप्त परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं।' ट्वीट के मुताबिक, राष्ट्रपति ने कहा, 'मैं घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।' गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के दिलकुशा इलाके में बृहस्पिवार को रातभर हुई भारी बारिश के कारण एक 'आर्मी एन्क्लेव' की चारदीवारी गिरने से झांसी जिले के रहने वाले कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि मलबे से एक व्यक्ति को जिंदा बाहर निकाला गया है और दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

अंतरराष्ट्रीय बीज संधि की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली । खाद्य और कृषि के लिए वनस्पति आनुवंशिक संसाधनों की अंतर्राष्ट्रीय संधि के संचालन निकाय का 9वां सत्र दिल्ली में 19 से 24 सितंबर तक आयोजित होगा। आईटीपीजीआरएफए, खाद्य और कृषि के लिए विश्व के पादप आनुवंशिक संसाधनों (पीजीआरएफए) के संरक्षण, आदान-प्रदान के साथ-साथ इसके उपयोग से उत्पन्न होने वाले उचित और न्यायसंगत लाभ साझा करने के माध्यम से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक अंतरराष्ट्रीय समझौता है। यह राष्ट्रीय कानूनों के अधीन किसानों के अधिकारों को भी मान्यता देता है। इस बीज संधि के रूप में भी जाना जाता है। आईटीपीजीआरएफए को नवंबर 2001 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के सम्मेलन के 31 वें सत्र में अपनाया गया था। 29 जून, 2004 को लागू हुई संधि को भारत सहित 149 देशों ने अनुमोदित किया है। कृषि सचिव मनोज आहूजा ने कहा कि कृषि में हर देश का अपना 'जर्मप्लाज्म' और जैव विविधता है। इसका संरक्षण, पहुंच, लाभ साझा करना और किसानों के अधिकार की रक्षा करना - इन सभी मुद्दों पर आईटीपीजीआरएफए के संचालन निकाय (जीबी9) के 9वें सत्र में चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा, '' कृषि को प्रतिकूल जलवायु के प्रति सहनशील बनाने के लिए विभिन्न देशों के 'जर्मप्लाज्म' तक पहुंच बेहतर कैसे करें, इस पर भी बैठक में चर्चा की जाएगी।''

मदरसों के सर्वेक्षण पर नकवी ने कहा, जब कुछ छिपाने को नहीं है, तब चिल्लाना क्यों?

लखनऊ । पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि विदेशी आक्रमणकारियों की 'गुनाहों की गठरी' को देश के मुसलमानों के सिर का बोझ नहीं बनाना चाहिए। भाजपा के वरिष्ठ नेता नकवी लखनऊ स्थित विश्वेश्वरैया हॉल में यूपी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर लोगों को संबोधित कर रहे थे। नकवी ने कहा कि हमें सभी मदरसों पर शक नहीं करना चाहिए, लेकिन सर्वेक्षण को लेकर बवाल करना खुद सवाल बन जाता है। नकवी ने सवाल किया कि जब कुछ छिपाने को नहीं है, तब चिल्लाना क्यों? भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कुछ लोग इस्लामोफोबिया के झूठे और मनगढ़ंत तर्कों तथा दुष्प्रचार के जरिये भारत को बदनाम करने की कोशिश करते रहते हैं, लेकिन ऐसी साजिश से सजग रहने की जरूरत है। नकवी ने कहा कि भाजपा ने तुष्टीकरण के 'सियासी छल' को 'समावेशी सशक्तिकरण' के बल से ध्वस्त किया है। उन्होंने कहा कि इसी का प्रमाण है कि आज एमवाई (मोदी-योगी) फैक्टर मतलब समावेशी विकास और सशक्तिकरण है।

मुकेश अंबानी ने तिरुमाला के वेंकटेश्वर मंदिर में किया दान

नई दिल्ली । मुकेश अंबानी ने तिरुमाला स्थित भगवान वेंकटेश्वर के मंदिर में डेढ़ करोड़ रुपए दान किए। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अध्यक्ष मुकेश अंबानी भगवान वेंकटेश्वर के प्रति अगाध श्रद्धा रखते हैं। तिरुमाला के नजदीक पहाड़ी पर स्थित भगवान के वेंकटेश्वर के इस प्राचीन मंदिर में मुकेश अंबानी के साथ कई अन्य लोग भी थे। इनमें एनकोर हेल्थकेयर के सीईओ वीरेन मर्चेंट की बेटी राधिका मर्चेंट और आरआईएल के अन्य अधिकारी भी थे। मंदिर के एक अधिकारी ने इस बारे में जानकारी दी। मंदिर के अधिकारी के मुताबिक मुकेश अंबानी शुक्रवार तड़के ही मंदिर में पहुंचे थे। अधिकारी ने बताया कि अंबानी ने पूजा-अर्चना के बाद तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी ए. वेंकट धर्म रेड्डी को 1.5 करोड़ रुपए का चेक सौंपा। इसके बाद तिरुमाला की पहाड़ी स्थित एक गेस्टहाउस में इन लोगों ने कुछ समय भी बिताया। अधिकारी ने बताया कि गेस्ट हाउस में कुछ समय बिताने के बाद इन लोगों ने पूजा-पाठ में भी हिस्सा लिया। मुकेश अंबानी, राधिका मर्चेंट और अन्य ने सूर्योदय के समय गर्भगृह में पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किए गए अभिषेकम में भाग लिया जो करीब एक घंटे तक चला। अधिकारी ने बताया कि अंबानी ने मंदिर में हाथियों को खाना भी खिलाया।

पीएम मोदी ने एससीओ सदस्य देशों के बीच आवाजाही के पूर्ण अधिकार पर दिया जोर

समरकंद।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एससीओ शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों के बीच आवाजाही को सुगम बनाने के पूर्ण अधिकार पर जोर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यूक्रेन में महामारी और संकट ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में कई बाधाएं पैदा कीं हैं, जिसके कारण पूरी दुनिया ऊर्जा और खाद्य संकट का सामना कर रही है। एससीओ को हमारे क्षेत्र में विश्वसनीय और विविध आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने के प्रयास करने चाहिए। इसके लिए बेहतर कनेक्टिविटी की जरूरत होगी, साथ ही यह भी जरूरी होगा कि हम सभी एक-दूसरे को ट्रांजिट का पूरा अधिकार दें। उन्होंने कहा कि एससीओ की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि एससीओ सदस्य देश वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 30 प्रतिशत का योगदान करते हैं और दुनिया की 40 प्रतिशत आबादी भी एससीओ देशों में रहती है। भारत एससीओ सदस्यों के बीच अधिक सहयोग और आपसी विश्वास का समर्थन करता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस साल भारत की अर्थव्यवस्था के 7.5 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है, जो दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे ज्यादा होगी। हमारे जन-केंद्रित विकास मॉडल में प्रौद्योगिकी के समुचित उपयोग पर भी बहुत ध्यान दिया जा रहा है। हम हर क्षेत्र में नवाचार का समर्थन कर रहे हैं। आज भारत में 70,000 से अधिक स्टार्ट-अप हैं, जिनमें से 100 से अधिक यूनिकॉर्न हैं। उन्होंने कहा, हमारा अनुभव कई अन्य एससीओ सदस्यों के लिए भी उपयोगी हो सकता है। इस उद्देश्य के लिए, हम स्टार्ट-अप और इनोवेशन पर एक नया विशेष कार्य समूह स्थापित कर एससीओ सदस्य देशों के साथ अपने अनुभव को साझा करने के लिए तैयार हैं। पीएम ने जोर देकर कहा कि भारत आज दुनिया में मेडिकल और वेलनेस टूरिज्म के लिए सबसे किफायती गंतव्यों में से एक है। डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन का उद्घाटन अप्रैल 2022 में गुजरात में हुआ था। यह पारंपरिक चिकित्सा के लिए डब्ल्यूएचओ का पहला और एकमात्र वैश्विक केंद्र होगा।हमें एससीओ देशों के बीच पारंपरिक चिकित्सा पर सहयोग बढ़ाना चाहिए। इसके लिए भारत पारंपरिक चिकित्सा पर एक नए एससीओ वर्किंग ग्रुप की पहल करेगा।

एससीओ बैठक से इतर मोदी ने की पुतिन, एर्दोगन से मुलाकात

समरकंद।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को एससीओ शिखर सम्मेलन से इतर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन से मुलाकात की। उन्होंने रूसी नेता के साथ अपनी बैठक में कहा, आज का युग युद्ध का नहीं है और मैंने आपसे इसके बारे में कॉल पर बात की है। आज हमें बात करने का अवसर मिलेगा कि हम शांति के पथ पर कैसे आगे बढ़ सकते हैं। भारत-रूस कई दशकों से एक साथ रहे हैं। उन्होंने द्विपक्षीय मुद्दों और व्यापार पर भी चर्चा की। राष्ट्रपति पुतिन ने भी शनिवार को मोदी के जन्मदिन से पहले उन्हें शुभकामनाएं दीं। एर्दोगन के साथ अपनी मुलाकात के बाद, उन्होंने ट्वीट किया: राष्ट्रपति एर्दोगन से मुलाकात की और हमारे लोगों के लाभ के लिए आर्थिक संबंधों को गहरा करने के तरीकों सहित भारत और तुर्की के बीच द्विपक्षीय संबंधों की पूरी श्रृंखला की समीक्षा की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और द्विपक्षीय व्यापार में हालिया लाभ की सराहना की। क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर विचारों का आदान-प्रदान करने के अलावा, उन्होंने विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर भी चर्चा की।

आज तेंलगाना में हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाएगी भाजपा, शाह दो दिन के दौरे पर पहुंच रहे

हैदराबाद ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तेलंगाना के दौरे पर जाने वाले हैं। 2024 चुनाव को लेकर भाजपा तेलंगाना में अपनी जमीनी पकड़ को मजबूत करने की तैयारी में है। इसी कड़ी में भाजपा शासित केंद्र सरकार की ओर से 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर हैदराबाद मुक्ति दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया गया था। दरअसल, हैदराबाद रियासत का 17 सितंबर को ही भारतीय संघ में विलय हुआ था। खबर के मुताबिक हैदराबाद मुक्ति दिवस का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री शाह करने वाले हैं। इसके लिए वह तेलंगाना दौरे पर जा रहे हैं। इस दौरान केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी भी मौजूद रहने वाले हैं। दूसरी ओर तेलंगाना सरकार का कार्यक्रम अलग है। तेलंगाना में के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली सरकार ने 17 सितंबर को तेलंगाना एकता दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया है। दरअसल, 2024 चुनाव को लेकर केसीआर लगातार राष्ट्रीय राजनीति में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। राष्ट्रीय राजनीति में ध्यान केंद्रित करने के लिए उन्होंने तब राष्ट्रीय पार्टी बढ़ाने का भी ऐलान कर दिया है। शाह के हैदराबाद दौरे को लेकर राज्य की राजनीति गर्म हो गई है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री पद की लालसा रख रहे सीएम राव को भाजपा अब उन्हीं के गढ़ में घेरने की तैयारी में है। इसकारण है कि भाजपा आलाकमान तेलंगाना पर लगातार अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है। शाह का तेलंगाना दौरा 2 दिनों का हैं, इसमें वह भाजपा के कार्यक्रमों में भी शामिल होने वाले हैं। खबर के मुताबिक के पार्टी के कोर ग्रुप के साथ शाह एक अहम बैठक होगी।

आत्मनिर्भर अभियान में राजनाथ सिंह का बड़ा संदेश-

भारत में जो बिकेगा वह यहीं बनेगा

(एजेंसी)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत भारत ने विनिर्माताओं के लिए दरवाजे खोल रखे हैं लेकिन शर्त इतनी है कि 'यहां जो बिकेगा वह यहीं बनेगा' और इस मंत्र पर चलते हुए आने वाले समय में भारत दुनिया का सबसे मजबूत देश बनकर उभरेगा। सिंह ने शुक्रवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा , '' आज भारत 'वैश्विक उम्मीद' का केन्द्र है क्योंकि इस देश में अवसरों का भंडार है, विकल्प की भरमार है और खुलेपन का विस्तार है। भारत में जन, मन और सारा तंत्र खुलेपन का प्रतीक है। आत्मनिर्भर भारत खुले मन से नए दरवाजे खोलने का नाम है। हमारे दरवाजे बंद नही हो रहे बल्कि और खुल रहे हैं बस शर्त इतनी है कि विनिर्माण हमारे घर पर ही करिए''। भारत के बड़े

बाजार के रूप में उभरने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, '' यहां जो मौका है वह कहीं और नही है। हमारा सिर्फ इतना ही आग्रह है कि हमारे लिए बनाना है तो इसी देश में बनाइए। सीधे शब्दों में कहा जाये कि 'भारत में जो बिकेगा वह यहीं बनेगा'' उन्होंने कहा कि पिछले लगभग साढ़े आठ वर्षों में भारत ने विश्व में जो प्रतिष्ठा और सम्मान अर्जित किया है वह अभूतपूर्व है। '' मुझे विश्वास है कि अगले दस वर्षों में भारत जापान को पीछे छोड़ कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। मैं तो यहां तक मानता हूं कि अगले 25 वर्षों में भारत दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति होगा। भारत ऐसी महाशक्ति बनेगा जहां धन भी होगा और बुद्धि भी होगी।

अगले साल एससीओ की अध्यक्षता करेगा भारत, रूस और चीन ने दी बधाई

नई दिल्ली ।

उज्बेकिस्तान के ऐतिहासिक शहर समरकंद में चल रही शंघाई शिखर सम्मेलन-2022 (एससीओ) अगले साल और भी विशेष होने वाला है, क्योंकि अगली बार एससीओ की अध्यक्षता भारत के पास होगी। इसका मतलब है अगले साल यह समिट भारत में होगी। अगले साल के लिए एससीओ अध्यक्ष बनने पर भारत को चीन और रूस ने बधाई दी है। समरकंद में आयोजित एससीओ समिट में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एससीओ की अगली कुर्सी संभालने पर भारत को बधाई दी और कहा कि हम अगले साल शिखर सम्मेलन की मेजबानी में भारत का समर्थन करेंगे। वहीं, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी भारत को एससीओ प्रेसीडेंसी के लिए बधाई दी और भारत की सफलता की कामना की। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा संकट से निपटने के लिए लचीली आपूर्ति श्रृंखला की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि भारत की आर्थिक विकास दर इस साल 7.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक होगी।

लालबाग के राजा के पास 10 दिनों में जमा हुई 20 करोड़ की दौलत

मुंबई। मुंबई के प्रसिद्ध लालबाग के राजा के दरबार में आए भक्तों ने इस प्रकार दरियादिली दिखाई कि बप्पा का खजाना लबालब हो गया. महज 10 दिन में ही बप्पा की तिजारी में 20 करोड़ से अधिक की दौलत जमा हो चुकी है. दरबार में इस बार आए चढ़ावे में सोने चांदी के आभूषणों का अंबार लग गया है. आलम यह है कि यहां नगदी और जेवर की गिनती करने वाले भी हैरान हैं. भक्तों ने पांडाल में केवल चढ़ावा ही जी खोल कर नहीं चढ़ाया है, चढ़ावे में आए सामान की नीलामी में भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया है. कई भक्तों ने तो प्रसाद के रूप में इच्छित वस्तु को पाने के लिए दस गुना तक रकम चुकाया है. जी हाँ, वैसे तो हर साल लालबाग के राजा के पांडाल में भक्तगण जी खोल कर चढ़ावा चढ़ाते हैं, लेकिन इस बार नजारा कुछ और ही है.गणेशोत्सव मंडल के सचिव सुधीर सालवी कहते हैं कि कोविड काल के चलते दो साल इस बार लोगों को बप्पा का दर्शन मिला. कई लोगों की मुरादें बप्पा ने पहले ही पूरी की. यही वजह रही कि इस बार भक्तों ने बाप्पा की तिजारी भर दी. उन्होंने कहा कि इस बार चढ़ावे में सोने चांदी के गहने, बर्तन, मोदक, गणपति बप्पा की मूर्ति, मूषक, नारियल, मुकुट, घंटी, सोने की चैन, बिस्किट के अलावा एक मोटर साइकल और करीब 5 करोड़ की नगदी जमा हुई है. बप्पा के दरबार में आए चढ़ावों की नीलामी गुरुवार की रात 10 तक बजे हुई. गणेशोत्सव मंडल ने किसी भी आइटम की जो कीमत निर्धारित की थी, भक्तों ने उसका भी दो से तीन गुना बोली लगाया और बोली अपने नाम कर ली. शाम पांच से शुरू हुई इस नीलामी में भक्तों की संख्या देखने लायक थी. इस नीलामी में शामिल बप्पा के भक्तों का कहना था कि पैसों की चिंता नहीं, उन्हें तो बस गणपति बप्पा का प्रसाद किसी भी तरह से अपने घर में लाना है.

पतंजलि गाय के देशी घी के नूमने फेल करने के लिए किया गया घिनौना षडयंत्र

नई दिल्ली । योग गुरु बाबा रामदेव ने शुक्रवार को दावा किया कि उनकी कंपनी पतंजलि के गाय के देशी घी को बदनाम करने के लिए उत्तराखंड में घिनौना षडयंत्र हुआ था। झूठे, अवैधानिक और मनगढ़ंत मानदंडों के आधार पर प्रामाणिक पतंजलि गाय के देशी घी के नमूने को फेल दिखाया गया था। उन्होंने कहा कि कंपनी ने अधिकृत लैब से पतंजलि गाय के देशी घी की जांच करवाई जो सभी मानकों पर खरा उतरा। बाबा रामदेव ने कहा कि घी के स्टैंडर्ड में बदलाव की जरूरत है, क्योंकि मौजूदा मानक घर में बने घी की शुद्धता को जांचने के लिए नाकाफी हैं। बाबा ने कहा कि पिछले साल अक्टूबर में पतंजलि घी के बैच नंबर बीकेडी-21158 का सैंपल उठाया गया था। इसकी उत्तराखंड के रुद्रपुर की लैब से जांच करवाई गई। 30 मार्च, 2022 को कंपनी को सैंपल फेल होने की जानकारी दी गई। हमारे द्वारा अपील कर उसी बैच के सैंपल की जांच गाजियाबाद की नेशनल फूड लेबोरेटरीज में की गई। इसमें आरएम वैल्यू 29.24 निकली जो बेस्ट थी। रुद्रपुर की लैब के पास इस तरह की जांच के लिए एनएबीएल से अधिकृत नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि रुद्रपुर की लैब में फैटी एसिड का मनगढ़ंत तरीके से ताना बाना बुना गया। केंद्र सरकार की 27 दिसंबर, 2021 की अधिसूचना के मुताबिक फैटी एसिड का मानदंड 30 जून, 2024 से लागू होना है। इस समय से पहले लागू करके और एफएसएसएआई के निर्धारित मानदंडों से अलग मानक बनाकर पतंजलि के घी को फेल दिखाया गया। घर में बने घी में यह वैल्यू नहीं मिलती है और इस स्टैंडर्ड में बदलाव होना चाहिए। हमने अधिकृत लैब से पतंजलि गाय के देशी घी की जांच फैटी एसिड के सभी मानकों पर करवाई। सभी मानकों पर पतंजलि गाय का देशी घी खरा उतरा।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर बच्चों के जन्म पर सोने की अंगूठी, दिव्यांगों को मिलेंगे उपकरण

नई दिल्ली ।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 17 सितंबर शनिवार को जन्मदिन धूमधाम से पार्टी मनाएंगी। इस अवसर पर केंद्रीय भाजपा नेतृत्व से लेकर राज्यों तक में अलग-अलग तरह के उत्सवों के ऐलान हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह हैदराबाद में 'सेवा कार्यक्रम' के माध्यम से दिव्यांगों को उपकरण वितरित करेंगे। त्रिपुरा में हर घर सुशासन योजना की शुरुआत होगी। वहीं तमिलनाडु भाजपा ने पीएम के जन्मदिन पर पैदा होने वाले बच्चों को सोने की अंगूठी देने का ऐलान कर दिया है। बता दें कि पीएम मोदी अपने जन्मदिन के अवसर पर ही मध्य प्रदेश के कूनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान में नामीबिया से कार्गो विमान के जरिए लाए गए चीतों को प्रधानमंत्री खुद अपने हाथों से उद्यान के बाड़े में छोड़ेंगे।

दिव्यांगों को उपकरण प्रदान करेंगे गृह मंत्री अमित शाह-

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को हैदराबाद मुक्ति दिवस समारोह की शुरुआत करेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर हैदराबाद में आयोजित एक 'सेवा कार्यक्रम' में दिव्यांगों को उपकरण वितरित करेंगे। हैदराबाद की अपनी एक दिन की यात्रा के लिए, गृह मंत्री शुक्रवार की शाम राष्ट्रीय राजधानी से रवाना होंगे और रात 9:30 बजे हैदराबाद हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। पीएम मोदी के जन्मदिन पर 'सेवा कार्यक्रम' नाम के कार्यक्रम में गृह मंत्री दिव्यांगों को उपकरणों के वितरण के साथ-साथ सरकारी स्कूलों और सामुदायिक छात्रावासों में शौचालय सफाई मशीनों के वितरण में दोपहर करीब 1.30 बजे क्लासिक फंक्शन हॉल में हिस्सा लेंगे। गृह मंत्री दिव्यांगों से भी बातचीत करेंगे।

त्रिपुरा सरकार 'हर घर सुशासन' योजना शुरू करेगी-

पीएम मोदी के जन्मदिन पर त्रिपुरा सरकार केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में त्रिपुरा के लोगों को सुविधा और जागरूक करने के लिए 17 सितंबर को आधिकारिक तौर पर 'हर घर सुशासन' योजना शुरू करेगी। त्रिपुरा के सीएम माणिक साह ने कहा कि मैं अधिकारियों से इसके लिए सभी पात्र व्यक्तियों से संपर्क करने का आग्रह करता हूं।

पीएम के जन्मदिन पर बच्चों को उपहार में मिलेगी सोने की अंगूठी-

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर पैदा होने वाले बच्चों को सोने की अंगूठी दी जाएगी। ये घोषणा बीजेपी की तमिलनाडु यूनिट ने किया है। तमिलनाडु बीजेपी पीएम मोदी के जन्मदिन पर बच्चों को अंगूठी देने के अलावा अन्य योजनाओं में 720 किलोग्राम मछली बांटने का ऐलान भी किया है। केंद्रीय मत्स्य पालन और सूचना व प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन ने इस ऐलान को लेकर बताया है कि हमने चेन्नई स्थित सरकारी आरएसआरएम हॉस्पिटल को चुना है।

दिल्ली के रेस्त्रा में खाने को मिलेगी '56 इंच थाली', पूरी खाने पर मिलेगा 8 लाख का ईनाम-

वहीं, दिल्ली के एक रेस्टोरेंट में '56 इंच की थाली' खाने के लिए उपलब्ध करवाई जाएगी। इतना ही नहीं रेस्टोरेंट की ओर से दो लोगों को केदारनाथ मंदिर के दर्शन करने का मौका भी दिया एगा। कनॉट प्लेस स्थित आडरेर 2.1 नामक रेस्टोरेंट ने इस ऑफर को 17 सितंबर से लेकर 26 सितंबर तक जारी रखने का फैसला किया है। रेस्टोरेंट के मालिक सुमित कालरा का कहना है कि प्रधानमंत्री के बर्थडे पर कल से 26 सितंबर तक जो भी आएगा, हम उनको प्रधानमंत्री की पसंदीदा जगह केदारनाथ मंदिर भेजेंगे। जैसे पीएम देश का भला कर रहे हैं, उसी तरह हम भी चाहते हैं कि हम दो व्यक्तियों का भला कर दें।

सार समाचार

लालबाग के राजा के पास 10 दिनों में जमा हुई 20 करोड़ की दौलत

मुंबई। मुंबई के प्रसिद्ध लालबाग के राजा के दरबार में आए भक्तों ने इस प्रकार दरियादिली दिखाई कि बप्पा का खजाना लबालब हो गया. महज 10 दिन में ही बप्पा की तिजारी में 20 करोड़ से अधिक की दौलत जमा हो चुकी है. दरबार में इस बार आए चढ़ावे में सोने चांदी के आभूषणों का अंबार लग गया है. आलम यह है कि यहां नगदी और जेवर की गिनती करने वाले भी हैरान हैं. भक्तों ने पांडाल में केवल चढ़ावा ही जी खोल कर नहीं चढ़ाया है, चढ़ावे में आए सामान की नीलामी में भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया है. कई भक्तों ने तो प्रसाद के रूप में इच्छित वस्तु को पाने के लिए दस गुना तक रकम चुकाया है. जी हाँ, वैसे तो हर साल लालबाग के राजा के पांडाल में भक्तगण जी खोल कर चढ़ावा चढ़ाते हैं, लेकिन इस बार नजारा कुछ और ही है.गणेशोत्सव मंडल के सचिव सुधीर सालवी कहते हैं कि कोविड काल के चलते दो साल इस बार लोगों को बप्पा का दर्शन मिला. कई लोगों की मुरादें बप्पा ने पहले ही पूरी की. यही वजह रही कि इस बार भक्तों ने बाप्पा की तिजारी भर दी. उन्होंने कहा कि इस बार चढ़ावे में सोने चांदी के गहने, बर्तन, मोदक, गणपति बप्पा की मूर्ति, मूषक, नारियल, मुकुट, घंटी, सोने की चैन, बिस्किट के अलावा एक मोटर साइकल और करीब 5 करोड़ की नगदी जमा हुई है. बप्पा के दरबार में आए चढ़ावों की नीलामी गुरुवार की रात 10 तक बजे हुई. गणेशोत्सव मंडल ने किसी भी आइटम की जो कीमत निर्धारित की थी, भक्तों ने उसका भी दो से तीन गुना बोली लगाया और बोली अपने नाम कर ली. शाम पांच से शुरू हुई इस नीलामी में भक्तों की संख्या देखने लायक थी. इस नीलामी में शामिल बप्पा के भक्तों का कहना था कि पैसों की चिंता नहीं, उन्हें तो बस गणपति बप्पा का प्रसाद किसी भी तरह से अपने घर में लाना है.

पतंजलि गाय के देशी घी के नूमने फेल करने के लिए किया गया घिनौना षडयंत्र

नई दिल्ली। योग गुरु बाबा रामदेव ने शुक्रवार को दावा किया कि उनकी कंपनी पतंजलि के गाय के देशी घी को बदनाम करने के लिए उत्तराखंड में घिनौना षडयंत्र हुआ था। झूठे, अवैधानिक और मनगढ़ंत मानदंडों के आधार पर प्रामाणिक पतंजलि गाय के देशी घी के नमूने को फेल दिखाया गया था। उन्होंने कहा कि कंपनी ने अधिकृत लैब से पतंजलि गाय के देशी घी की जांच करवाई जो सभी मानकों पर खरा उतरा। बाबा रामदेव ने कहा कि घी के स्टैंडर्ड में बदलाव की जरूरत है, क्योंकि मौजूदा मानक घर में बने घी की शुद्धता को जांचने के लिए नाकाफी हैं। बाबा ने कहा कि पिछले साल अक्टूबर में पतंजलि घी के बैच नंबर बीकेडी-21158 का सैंपल उठाया गया था। इसकी उत्तराखंड के रुद्रपुर की लैब से जांच करवाई गई। 30 मार्च, 2022 को कंपनी को सैंपल फेल होने की जानकारी दी गई। हमारे द्वारा अपील कर उसी बैच के सैंपल की जांच गाजियाबाद की नेशनल फूड लेबोरेटरीज में की गई। इसमें आरएम वैल्यू 29.24 निकली जो बेस्ट थी। रुद्रपुर की लैब के पास इस तरह की जांच के लिए एनएबीएल से अधिकृत नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि रुद्रपुर की लैब में फैटी एसिड का मनगढ़ंत तरीके से ताना बाना बुना गया। केंद्र सरकार की 27 दिसंबर, 2021 की अधिसूचना के मुताबिक फैटी एसिड का मानदंड 30 जून, 2024 से लागू होना है। इस समय से पहले लागू करके और एफएसएसएआई के निर्धारित मानदंडों से अलग मानक बनाकर पतंजलि के घी को फेल दिखाया गया। घर में बने घी में यह वैल्यू नहीं मिलती है और इस स्टैंडर्ड में बदलाव होना चाहिए। हमने अधिकृत लैब से पतंजलि गाय के देशी घी की जांच फैटी एसिड के सभी मानकों पर करवाई। सभी मानकों पर पतंजलि गाय का देशी घी खरा उतरा।

एम्स के नाम बदलने की तैयारी में केंद्र सरकार, एम्स के डॉक्टरों ने किया इसका विरोध

नई दिल्ली । देश भर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स (एम्स) के नाम को बदलने की मांग उठ रही है। लेकिन इसके विरोध में एम्?स फैकल्टी खुलकर सामने आ गई है। इस लेकर एम्स के डॉक्टरों की फैकल्टी एसोसिएशन ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया को पत्र भी लिखाकर सभी 23 एम्स के नाम बदलने का सर्वसम्मति से विरोध किया है। दरअसल मोदी सरकार ने दिल्ली सहित सभी 23 एम्स का नाम स्थानीय नायकों, स्वतंत्रता सेनानियों, क्षेत्र की ऐतिहासिक घटनाओं अथवा स्मारकों के नाम पर रखने का प्रस्ताव रखा है। सूत्रों की माने तब केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सुझाव भी मांगे गए थे। इसके बाद अधिकतर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने नामों की सूची सौंप दी थी। अधिकांश एम्स ने सुझाए गए नामों के लिए व्याख्यात्मक नोट के साथ तीन से चार नामों का सुझाव दिया है। लेकिन अब एम्स फैकल्टी ने एम्स के नाम बदलने पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। इसका सर्वसम्मति से विरोध जताकर स्वास्थ्य मंत्री को पत्र भी लिखा है। एम्स के आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि एम्स अपने सामान्य नाम से जाने जाते हैं और केवल उनके विशिष्ट स्थान से उन्हें पहचाना जाता है। पीएमएसएसवाई के पहले चरण के तहत बिहार (पटना), छत्तीसगढ़ (रायपुर), मध्य प्रदेश (भोपाल), ओडिशा (भुवनेश्वर), राजस्थान (जोधपुर) और उत्तराखंड (ऋषिकेश) को मंजूरी दी गई थी. इनका संचालन पूरी तरह शुरू भी हो चुका है। वहीं, 2015 और 2022 के बीच स्थापित 16 एम्स में से 10 संस्थानों में एमबीबीएस की पढ़ाई और ओपीडी की सेवाएं भी शुरू की गई हैं, जबकि अन्य दो में केवल एमबीबीएस कक्षाएं शुरू की गई हैं। शेष चार संस्थान निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

मुकेश अंबानी ने भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में डेढ़ करोड़ रुपये का दान दिया

तिरुपति (आंध्र प्रदेश)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को तिरुमाला स्थित भगवान वेंकटेश्वर के मंदिर में डेढ़ करोड़ रुपये का दान दिया। अधिकारी ने कहा कि भगवान वेंकटेश्वर के प्रति अगाध श्रद्धा रखने वाले अंबानी शुक्रवार तड़के मंदिर पहुंचे। उनके साथ एनकोर हेल्थकेयर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वीरेन मर्चेंट की बेटी राधिका मर्चेंट और आरआईएल के अन्य अधिकारी थे। अधिकारी ने कहा कि अंबानी ने पूजा-अर्चना के बाद तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी ए. वेंकट धर्म रेड्डी को 1.5 करोड़ रुपये का चैक सौंपा। तिरुमाला में पहाड़ी स्थित एक गेस्ट हाउस में कुछ समय बिताने के बाद अंबानी, राधिका मर्चेंट और अन्य ने सूर्योदय के समय गर्भगृह में पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किये गये अभिषेकम में भाग लिया जो करीब एक घंटे तक चला। अधिकारी ने बताया कि अंबानी ने मंदिर में हाथियों को खाना भी खिलाया।

राजनीति का अखाड़ा बना हैदराबाद अलग-अलग राष्ट्रीय ध्वज क्यों फहराएंगे केसीआर और अमित शाह

नई दिल्ली । तेलंगाना में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले उसकी राजधानी हैदराबाद राजनीति का अखाड़ा बनी हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव शनिवार को हैदराबाद में अलग-अलग जगह पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। दरअसल केंद्र पहली बार 17 सितंबर को 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' के रूप में मनाएगा। भारत की आजादी के एक साल बाद, निजाम के अधीन रहा पूर्व हैदराबाद रियासत का 17 सितंबर को भारतीय संघ में विलय हुआ था। अमित शाह 17 सितंबर को 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' समारोह का उद्घाटन करेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के कार्यक्रम में शामिल होंगे। शहर के परेड मैदान पर 17 सितंबर की सुबह, केंद्र सरकार की ओर से आयोजित होने वाले समारोह में शाह मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने ट्वीट किया, '1948 में सरदार पटेल ने हैदराबाद के भारत संघ में विलय के बाद तिरंगा फहराया था। अब 75 वर्ष बाद, माननीय गृहमंत्री अमित शाह राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और हैदराबाद मुक्ति दिवस समारोह की शुरुआत करेंगे।' पार्टी की ओर से बृहस्पतिवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि मुक्ति दिवस समारोह के बाद शाह तेलंगाना में भाजपा के प्रमुख नेताओं के साथ एक बैठक करेंगे। पार्टी ने कहा की बाद में शाह सिकंदराबाद में मोदी के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। हालांकि तेलंगाना सरकार की योजना अलग है। तेलंगाना की केसीआर सरकार 17 सितंबर को 'तेलंगाना एकता दिवस' कहती है और इसने तीन दिवसीय उत्सव की घोषणा की है। केसीआर 2024 के राष्ट्रीय चुनाव में भाजपा का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों को एक करने का प्रयास कर रहे हैं। केसीआर और उनकी पार्टी तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) ने केंद्र के 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' समारोह को भाजपा का 'विभाजनकारी एजेंडे' बताया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सिकंदराबाद के आर्मी परेड ग्राउंड में केंद्र के समारोह की अध्यक्षता करेंगे। दो पड़ोसी राज्यों, जहां भाजपा सत्ता में है- कर्नाटक और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्रियों को भी न्योता भेजा गया है। बसवराज बोम्मई और एकनाथ शिंदे दोनों समारोह में शामिल होंगे। इन दोनों ही राज्यों के हिस्से पहले हैदराबाद रियासत में थे। गृह मंत्री अपनी दिन भर की यात्रा के लिए आज रात हैदराबाद पहुंचेंगे।

आत्मनिर्भर अभियान में राजनाथ सिंह का बड़ा संदेश, भारत में जो बिकेगा वो यहीं बनेगा

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत सरकार 'नये भारत के सपने' को पूरा करने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रख रही है और वह अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए किसी पर निर्भर नहीं है, खास तौर से अपनी रक्षा जरूरतों के लिए। रक्षा मंत्री ने एक कार्यक्रम के दौरान यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना ने ''भारत को दुनिया के सबसे शक्तिशाली और सबसे सम्मानित देशों की पंक्ति में ला खड़ा किया है'' और विश्वास व्यक्त किया कि देश 2025 तक 1.75 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन का लक्ष्य प्राप्त कर लेगा। रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भरता' प्राप्त करने के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा उठाए गए कदमों को रेखांकित करते हुए राजनाथ ने कहा, ''310 वस्तुओं की तीन सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची का जारी होना तथा राष्ट्र की विकास गाथा में निजी सेक्टर को सम्मिलित होने के लिये प्रोत्साहित करना इस बात का प्रमाण है कि सरकार संकल्पित है कि सशस्त्र बलों को स्वदेश में विकसित उत्कृष्ट हथियार/प्लेटफार्म मिलें तथा उन्हें समस्त भावी चुनौतियों का मुकाबला करने के लिये लैस किया जा सके।'' मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि स्वदेशी उद्योगों के पास ऐसी क्षमता और योग्यता है कि वे अगले कुछ वर्षों के दौरान जल, थल, नभ और अंतरिक्ष में आधुनिक रक्षा प्लेटफार्मों का निर्माण कर सकते हैं और ''सरकार उन्हें आवश्यक माहौल उपलब्ध कराने के सभी प्रयास कर रही है।''

दिल्ली में 12 सितंबर को हुए सेना के एक सेमीनार में राजनाथ सिंह ने कहा कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार सक्रिय, सुरक्षित और आत्मनिर्भर तंत्र विकसित करने को प्रतिबद्ध है। केन्द्रीय मंत्री ने शुक्रवार को कहा कि ''सरकार नये भारत का सपना पूरा करने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रख रही है, जो अपनी जरूरतों और खासतौर से सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये किसी अन्य देश पर आश्रित नहीं होगा।'' उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 'समय पर लिए गए ठोस फैसलों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने ''भारत की छवि एक मूक दर्शक से बदलकर मजबूत इरादों वाले देश और योगदानकर्ता के रूप में बना दी है।'' रक्षा मंत्री ने कहा, ''रक्षा निर्यात, जो कभी 1,900 करोड़ रुपये हुआ करता था, वह अब 13,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है।'' उन्होंने भरोसा जताया कि भारत ''2025 तक 1.75 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन का लक्ष्य प्राप्त कर लिया जायेगा, जिसमें 35,000 करोड़ रुपये का निर्यात भी शामिल है।'' राजनाथ सिंह ने देश के पहले स्वदेशी वायु यान वाहक पोत विक्रांत का विशेष उल्लेख किया, जिसमें 76 प्रतिशत स्वदेशी सामान लगा है तथा जिसे प्रधानमंत्री ने दो सितंबर, 2022 को कोच्चि में देश-सेवा में समर्पित किया था। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की यात्रा का यह एक महत?वपूर्ण पड़ाव है। हालांकि, मंत्री ने स्पष्ट किया कि''आत्मनिर्भरता' का अर्थ अलग-थलग हो जाना नहीं है।'' उन्होंने इसे परिभाषित करते हुये कहा कि 'आत्मनिर्भता' वास्तव में पूरी दुनिया को आशा और राहत देने का भारत का संकल्प है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा, ''आज, दुनिया को समझ आ गया है कि उत्पादन किसी देश विशेष मे नहीं होना चाहिए। बदलते परिदृश्य में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपनी निर्माण इकाइयों को विकेंद्रित करने के विकल्प तलाश रही हैं। भारत इस खोज को न सिर्फ पूरा करता है, बल्कि इस आशा का संचार भी करता है कि निर्माण इकाइयों को विकेंद्रित करने में इतनी क्षमता है कि उससे पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई मिल सकती है। भारत वैश्विक आशावाद का केंद्र है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे यहां अनंत अवसर हैं, विकल्पों की भरमार है और खुलेपन का एहसास है।

'आत्मनिर्भर भारत' खुले दिमाग से नये द्वार खोलता है। हमारा लक्ष्य राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना, तथा इसके साथ ही अपने मित्र देशों को उनके लक्ष्य प्राप्त करने में मदद करना है। परिकल्पना बिलकुल स्पष्ट है: 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर दी वर्ल्ड।'' रक्षा मंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री

दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुये कहा कि वर्तमान सरकार उनकी 'राष्ट्र प्रथम' की परिकल्पना को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा, ''÷अटल जी के नेतृत्व में ही देश अपने प्रगति पथ पर लौटा था। उन्होंने बुनियादी ढांचे का विकास किया , गरीब कल्याण पर ध्यान केंद्रित किया, महंगाई को नियंत्रित किया और अर्थव्यवस्था की विकास दर को आठ प्रतिशत के ऊपर पहुंचाया। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।'' उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में प्रक्रिया संबंधी और संरचनात्मक सुधार शुरू किये गये। उन्होंने यह भी कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान, हमने सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया। रक्षा मंत्री ने कहा, '' हमने न केवल अपने नागरिकों की रक्षा की, बल्कि अन्य देशों की भी मदद की। कोविड वैक्सीन, दवा और अन्य जरूरी सामानों को 100 से अधिक देशों तक पहुंचाया।'' उन्होंने कहा, ''रूस-यूक्रेन टकराव के शुरुआती चरण के दौरान, हमारे प्रधानमंत्री ने अमेरिका, रूस और यूक्रेन के राष्ट्रपतियों से बात की तथा 'ऑपरेशन गंगा' के जरिये हम युद्ध क्षेत्र से लगभग 22,500 भारतीय नागरिकों को निकालने में सफल हुये। इससे भारत के राजनय, विश्वसनीयता और नेतृत्व की खूबियों का पता चलता है।÷ रक्षा मंत्री ने लोगों में एकता और देशभक्ति की भावना का उल्लेख करते हुये कहा कि देश जो तेज गति से विकास होता देख रहा है, उसके पीछे यही दो भावनायें हैं। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि अपने-अपने क्षेत्र में काम करते हुये राष्ट्र को हृदयंगम करें, क्योंकि यही एकमात्र रास्ता है, जो देश को ऊंचाइयों पर ले जायेगा।

जयराम रमेश हिमंत बिस्वा शर्मा और गुलाम नबी पर तंज, बोले- जो लाभान्वित हुए, वो ही कांग्रेस को लात मार रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कांग्रेस में जो नेता लाभान्वित हुए वे पार्टी को लात मार रहे हैं। गोवा में दलबदल के बारे में बात करते हुए जयराम रमेश कि केवल दो तरह के लोग कांग्रेस छोड़ते हैं। बताते हुए उन्होंने कहा कि पहली श्रेणी में वे लोग शामिल हैं जिन्हें पार्टी से सब कुछ मिला है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद का उदाहरण देते हुए जयराम रमेश ने कहा कि पहली श्रेणी में वे लोग शामिल हैं जिन्हें पार्टी से लाभ हुआ है। गुलाम नबी आजाद इसका एक उदाहरण हैं। उन्होंने पार्टी से युवा कांग्रेस नेता से पीसीसी अध्यक्ष, केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, महासचिव आदि सब कुछ प्राप्त किया।

जो कांग्रेस से लाभान्वित हुए हैं, वे ही पार्टी को लात मारकर छोड़ दे रहे हैं।

जयराम रमेश ने कहा कि नंबर 2 वे हैं जो जांच एजेंसियों की चपेट में हैं। वे जाएंगे और भाजपा में शामिल होंगे। जैसे ही वे भाजपा में शामिल होंगे, वे पाक-साफ हो जाएंगे। असम के मुख्यमंत्री को देखें, वे एक उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उनके खिलाफ एक भी मामला नहीं है। लेकिन जब वह कांग्रेस में थे तो भाजपा उन पर रोज हमला करती थी। अब वह मुख्यमंत्री बन गए हैं और भाजपा पूरी तरह से खामोश है।' कांग्रेस सांसद ने कहा कि पार्टी छोड़ने वाले गोवा के विधायक भी इसी दूसरे प्रकार के हैं।

जयराम रमेश ने कहा, 'ये 8 विधायक बीजेपी की वॉशिंग मशीन में चले गए। वे सबसे भ्रष्ट साथी हैं जिन्हें मैं जानता हूं। केरल में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयराम रमेश ने कहा कि वह इस बात से सहमत हैं कि कांग्रेस ने उन्हें (गोवा के 8 विधायकों को) पार्टी में देकर गलती की। जयराम रमेश ने कहा, 'लेकिन अब जब वे भाजपा की वॉशिंग मशीन में प्रवेश कर गए हैं, तो वे मेरे कुर्ते की तरह बेदाग सफेद हो जाएंगे।'

मुख्तार अंसारी और उसके भाई और सांसद अफजाल अंसारी की करोड़ों की संपत्ति कुर्क की गई

गाजीपुर । बाहुबली मुख्तार अंसारी इन दिनों सुर्खियों में है। वहीं योगी सरकार ने माफिया डॉन मुख्तार अंसारी और उसके गैंग पर बड़ा एक्शन किया है। खबर है कि पुलिस ने मुख्तार पर बड़ा एक्शन लेकर उसके मकान को कुर्क कर दिया है। पुलिस के अनुसार कुर्क किए गए मकान की कीमत 25.11 लाख रुपये है। इसके साथ ही मुख्तार के भाई और बसपा सांसद अफजाल अंसारी पर भी कार्रवाई की गई है।

गाजीपुर पुलिस द्वारा मुख्तार अंसारी के साथ-साथ उसके करीबी शहनवाज उर्फ काजू कुरैशी और अफजाल अंसारी द्वारा अवैध ढंग से अर्जित की गई लगभग 2 करोड़, 50 लाख रुपये की भू-संपत्ति को कुर्क किया गया है। मुख्तार के मुहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के दर्जी टोला मुहल्ले में स्थित मकान को कुर्क किया गया है।

इसके साथ ही अफजाल अंसारी की कई जमीनें कुर्क की गई हैं। इसकी कीमत लगभग 1.85 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। यह जमीनें मुहम्मदाबाद थाना क्षेत्र के शक्करपुर गांव में हैं। इसके साथ ही मुख्तार गैंग के सदस्य काजू कुरैशी पर भी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उसकी 40 लाख की संपत्ति कुर्क की है। यह कार्रवाई गैंगस्टर एक्ट 14 (1) के तहत की गई है।

विदेशी हमलावरों के गुनाहों को भारतीय मुसलमानों के 'सिर का बोझ' नहीं बनाना चाहिए: नकवी

लखनऊ।(एजेंसी)।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शुक्रवार को यहां कहा कि विदेशी आक्रमणकारियों की 'गुनाहों की गठरी' को भारतीय मुसलमानों के 'सिर का बोझ' नहीं बनाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता नकवी शुक्रवार को लखनऊ स्थित विश्वेश्वरैया हॉल में उत्तर प्रदेश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर लोगों को संबोधित कर रहे थे। यहां जारी एक बयान में नकवी ने कहा कि हमें सभी मदरसों पर शक नहीं करना चाहिए, लेकिन सर्वेक्षण को लेकर बवाल करना खुद सवाल बन जाता है।

नकवी ने सवाल किया कि जब कुछ छिपाने को नहीं है, तो चिल्लाना क्यों? भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कुछ लोग इस्लामोफोबिया के झूठे और मनगढ़ंत तर्कों तथा दुष्प्रचार के जरिये भारत को बदनाम करने की कोशिश करते रहते हैं, लेकिन ऐसी साजिश से सजग रहने की जरूरत है। नकवी ने कहा कि भाजपा ने तुष्टीकरण के 'सियासी छल' को 'समावेशी सशक्तिकरण' के बल से ध्वस्त किया है। उन्होंने कहा कि इसी का प्रमाण है कि आज एमवाई (मोदी-योगी) फैक्टर मतलब समावेशी विकास और सशक्तिकरण है।

दिल्ली के सीएम केजरीवाल का सीबीआई और ईडी पर आरोप, बोले- बेवजह हर किसी को कर रहे परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय जांच एजेंसी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को निशाना बनाते हुए आरोप लगाया कि ये अनावश्यक रूप से हर किसी को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश इस तरह प्रगति नहीं कर सकता है। केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उपराज्यपाल, सीबीआई और भाजपा ने कथित शराब घोटाले में अलग-अलग रकम बताई है लेकिन उन्हें अब भी समझ नहीं आया कि शराब घोटाला क्या है। उनकी यह टिप्पणी तब आयी है जब ईडी ने दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 में कथित अनियमितताओं की धन शोधन की जांच के तौर पर देशभर में करीब 40 स्थानों पर छापे मारे हैं। यह नीति अब वापस ले ली गई है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आंध्र प्रदेश में नेल्लोर तथा कुछ अन्य शहरों, कर्नाटक, तमिलनाडु और दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में शराब कारोबारियों, वितरकों और आपूर्ति श्रंखला के नेटवर्क पर छापे मारे जा रहे हैं। केजरीवाल ने कहा, 'उनके (भाजपा

के) एक नेता ने कहा कि यह 8,000 करोड़ रुपये का घोटाला है, उपराज्यपाल ने कहा कि यह 144 करोड़ रुपये का घोटाला है और सीबीआई की प्राथमिकी में कहा गया है कि यह एक करोड़ रुपये का घोटाला है। मुझे समझ नहीं आता कि शराब घोटाला है क्या।' उन्होंने कहा, 'देश इस तरह से उन्नति नहीं कर सकता है। वे अनावश्यक रूप से हर किसी को परेशान कर रहे हैं।'

ईडी का आबकारी नीति से जुड़ा धन शोधन मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की एक प्राथमिकी पर आधारित है, जिसमें दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और कुछ नौकरशाहों को आरोपियों के तौर पर नामजद किया गया है। ईडी इस बात की तफ्तीश कर रहा है कि क्या पिछले साल नंवबर में लाई गई दिल्ली आबकारी नीति के क्रियान्वयन में कथित अनियमितताएं बरती गईं। सीबीआई ने 19 अगस्त को इस मामले में सिसोदिया (50), भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी और दिल्ली के पूर्व आबकारी आयुक्त आरव गोपी कृष्ण के दिल्ली स्थित आवास तथा सात राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों में 19 अन्य स्थानों पर छापे मारे थे।

केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित नगर निगम की दिल्ली में 16 नए कूड़ा स्थल बनाने तथा इसे कचरे के ढेर के शहर में तब्दील करने की योजना है। अभी तीन कूड़ा स्थल गाजीपुर, ओखला और भलस्वा दिल्ली की सीमाओं पर स्थित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, 'इन कूड़ा स्थलों के आसपास रह रहे लोग कचरे के इन ढेर से आनी वाली बदबू और कई अन्य मुद्दोंसे परेशान हैं। हमने सुना है कि राष्ट्रीय राजधानी में कचरे के 16 नए ढेर बनाने की योजना है।'' उन्होंने कहा कि वहीं आम आदमी पार्टी सरकार दिल्ली को पार्कों तथा झीलों के शहर के रूप में विकसित कर रही है। उन्होंने कहा, 'अगर हमें मौका दिया जाता है तो हम समयबद्ध तरीके से राष्ट्रीय राजधानी का सौंदर्यीकरण करेंगे।'

राहुल गांधी का दावा, 45 साल में सबसे अधिक बेरोजगारी का सामना कर रहा है भारत

कोल्लम। (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि भारत बीते 45 साल में सबसे अधिक बेरोजगारी का सामना कर रहा है और देश के युवाओं के भविष्य को मजबूती प्रदान करना व उनके मन में सकारात्मकता लाना उनकी पार्टी का कर्तव्य है। गांधी सात सितंबर को शुरू हुई 'भारत जोड़ो यात्रा' के सिलसिले में आज कोल्लम जिले के नीन्दकारा पहुंचे हैं। फेसबुक पर एक पोस्ट में गांधी ने लिखा कि वह इस यात्रा के दौरान अनेक युवाओं से मिल रहे हैं और सरकार से उनकी क्या उम्मीदें हैं, इसे समझने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि देश युवा शक्ति का उपयोग करे, तो बहुत तेजी से विकास कर सकता है।

गांधी ने कहा, 'लेकिन देश में पिछले 45 वर्षों में आज सबसे ज्यादा बेरोजगारी है, शिक्षित युवा रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं और निराश हैं। यह हमारा कर्तव्य है और आज समय की मांग भी है कि हमारे युवाओं के भविष्य को मजबूती प्रदान करें, उनमें सकारात्मकता लाएं।' 'भारत जोड़ो यात्रा' के सुबह के चरण के समापन के बाद, गांधी काजू उत्पादकों, उद्यमियों, ट्रेड यूनियनों और कांग्रेस पार्टी के दो सहयोगी दलों आरएसपी और फॉरवर्ड ब्लॉक के नेताओं के साथ चर्चाएं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'भारत जोड़ो यात्रा के दौरान मैं अनेक युवाओं से मिल रहा हूं, सरकार से उनकी उम्मीदों को समझ रहा हूं कि वे अपना भविष्य उज्ज्वल बनाने के लिए हमसे किस तरह की मदद चाहते हैं तथा हम उनके लिए और कितनी संभावनाएं पैदा कर सकते हैं।'

गांधी ने यह भी कहा कि यात्रा का उद्देश्य बच्चों, बुजुर्गों, युवाओं, महिलाओं, गरीबों, किसानों और आदिवासियों की बात सुनना और उनकी समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने कहा, 'हम आगे बढ़ रहे हैं, युवा हमसे खुलकर बात कर रहे हैं, साथ चल रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि हम सभी अपने भारत को एकजुट करेंगे और इसे आगे बढ़ाएंगे।' यात्रा का शाम का चरण चावरा बस स्टैंड से शुरू होगा और करुणागपल्ली में समाप्त होगा जहां ''भारत जोड़ो यात्रा'' के सदस्य रात भर रुकेंगे। कांग्रेस का 3,570 किलोमीटर लंबा पैदल मार्च 7

सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुआ और जम्मू-कश्मीर में समाप्त होगा। दस सितंबर की शाम को केरल में प्रवेश करने वाली भारत जोड़ो यात्रा एक अक्टूबर को कर्नाटक पहुंचेगी। इससे पहले 19 दिन तक केरल के सात जिलों में 450 किलोमीटर की यात्री की जाएगी।

बाढ़ के बाद दरिया जैसा दिखने लगा है पाकिस्तान, जलवायु परिवर्तन पर कार्रवाई जरूरी : शरीफ

समरकंद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के नेताओं से कहा कि उनके देश में आई अभूतपूर्व बाढ़ के बाद यह दरिया जैसा दिख रहा है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भी तत्काल कार्रवाई की जरूरत बताई। शरीफ उज्बेकिस्तान के शहर समरकंद में एससीओ की राष्ट्र प्रमुख परिषद (सीएचएस) के शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे जहां उन्होंने जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़ आने का उल्लेख किया। पाकिस्तान में बाढ़ में 1,500 से अधिक लोगों की मौत हो गयी और 3.3 करोड़ से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। इस साल 14 जून से आई भयावह बाढ़ में लगभग एक तिहाई पाकिस्तान डूब गया है। शरीफ ने कहा, ''पाकिस्तान में आई भयावह बाढ़ का कारण निश्चित रूप से जलवायु परिवर्तन था। जलवायु परिवर्तन, बादल फटने और अभूतपूर्व बारिश के साथ पहाड़ों से जलधाराएं मैदानों में आने की वजह से बाढ़ आई। इन सबके के कारण पाकिस्तान दरिया जैसा दिख रहा है।

जर्मनी ने रुसी कंपनी रोजनेफ्ट की अनुषंगी का नियंत्रण अपने हाथों में लिया

बर्लिन । जर्मन सरकार ने कहा कि वह रूसी तेल कंपनी रोजनेफ्ट की यहां स्थित अनुषंगी का नियंत्रण अपने हाथों में ले रही है। सरकार ने कहा कि देश की तीन तेल रिफायनरी में परिचालन सुनिश्चित करने के लिए ऐसा करना जरूरी है। आर्थिक मामलों के मंत्रालय ने कहा कि रोजनेफ्ट डॉयचलैंड, एरआएन रिफायनिंग एंड मार्केटिंग का नियंत्रण जर्मनी की संघीय नेटवर्क एजेंसी को सौंपा गया है। इसमें बताया गया कि एजेंसी तीन रिफायनरी- पीसीके शॉवेट, माइरो और बायेरनॉइल में कंपनियों के शेयर पर भी नियंत्रण रखेगी। मंत्रालय ने कहा कि जर्मनी की तेल शोधन क्षमता में 12 फीसदी हिस्सेदारी रोजनेफ्ट की है और इस कदम से निरंतर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित होगी। उसने कहा कि यह व्यवस्था छह महीने के लिए की गई है।

अमेरिका में रेल श्रमिक संगठनों के साथ करार अंतिम चरण में, हड़ताल टली

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का मानना है कि श्रमिक संगठनों से मध्यम वर्ग बना है, लेकिन उन्हें यह भी पता है कि मध्यावधि चुनाव से पहले रेल कर्मचारियों की हड़ताल अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकती है। रेल कर्मचारियों की हड़ताल को टालने के प्रयासों के तहत उनके प्रशासन के अधिकारियों ने रेलवे और श्रमिक संगठनों के साथ वाशिंगटन में बातचीत जारी रखने के लिए पूरी कोशिश की। रात भर चली लंबी बातचीत के बाद सफलता मिली और बाइडेन ने घोषणा की कि हड़ताल टालने के लिए विभिन्न पक्ष एक अस्थायी समझौते पर पहुंच गए हैं और इस पर श्रमिक संगठनों के सदस्य अंतिम फैसला करेंगे। डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति ने हड़ताल को टालने के लिए हुए समझौते को सभी पक्षों की जीत बताते हुए एक बयान में इसकी सराहना की। उन्होंने कहा, इन रेल कर्मचारियों को बेहतर वेतन, बेहतर काम करने की स्थिति और स्वास्थ्य देखभाल पर खर्च को लेकर शांति मिलेगी- सभी कड़ी मेहनत से अर्जित हैं। यह समझौता रेलवे कंपनियों के लिए भी एक जीत है जो ऐसे उद्योग में अधिक कर्मियों को बनाए रखने और भर्ती करने में सक्षम होंगे जो आने वाले दशकों तक अमेरिकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी का हिस्सा बना रहेगा। अगर रेलवे कर्मियों के 12 संगठनों के साथ समझौता नहीं होता तो शुक्रवार से रेल सेवाएं प्रभावित हो सकती थीं और भोजन तथा ईंधन की ढुलाई ठप हो सकती थी। इससे प्रतिदिन दो अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान हो सकता था।

पुतिन शरीफ से बोले- रूस पाकिस्तान को कर सकता है गैस की आपूर्ति

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से कहा कि उनका देश पाकिस्तान को गैस की आपूर्ति कर सकता है और इसके लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा पहले से ही मौजूद है। पुतिन ने उज्बेकिस्तान में शंघाई शिखर सम्मेलन (एससीओ) से इतर शरीफ से मुलाकात के दौरान यह टिप्पणी की। रूस की एक सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार पुतिन ने कहा, मुद्दा रूस से पाकिस्तान को पाइपलाइन गैस की आपूर्ति का है, जो संभव है, जिसका अर्थ है कि बुनियादी ढांचे का एक हिस्सा पहले ही तैयार किया जा जा चुका है, हमें अफगान मुद्दे को हल करना है। उन्होंने कहा ?कि निश्चित रूप से राजनीतिक स्थिरता से जुड़ी समस्याएं हैं, लेकिन अफगान लोगों के साथ हमारे पारस्परिक अच्छे संबंधों को ध्यान में रखते हुए, मुझे उम्मीद है कि इस समस्या का भी समाधान हो सकता है, मेरा मतलब देश की स्थिति पर पाकिस्तान के प्रभाव से है। शरीफ ने एससीओ बैठक से इतर उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के साथ भी बैठक की तथा परस्पर हित के मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमामोली रहमान के साथ भी मुलाकात की और क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों सहित पारस्परिक रूप से लाभप्रद द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न विषयों पर चर्चा की। शरीफ ने ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी व बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री शरीफ के साथ विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी, वित्त मंत्री मिफ्ता इस्माइल और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी समरकंद में हैं।

अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा महारानी एलिजाबेथ के ताबूत के पास खड़ा रॉयल गार्ड

लंदन । महारानी एलिज़ाबेथ द्वितीय के ताबूत को बुधवार को चार दिनों के लिए वेस्टमिंस्टर हॉल में रखा गया है। उनकी अंत्येष्टि 19 सितंबर को की जाएगी। इस बीच इस हॉल का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें देखा जा सकता है कि महारानी के ताबूत के पास खड़ा एक गार्ड बेहोश होकर गिर पड़ा। ज्ञात हो कि महारानी का पिछले गुरूवार को 96 साल की उम्र में बाल्मोरल कैसल में निधन हो गया था। वह 70 साल से ब्रिटेन में शासन कर रही थीं। 12 सेकंड का यह वीडियो तेज़ी से वायरल हो रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि एक प्लेटफॉर्म पर महारानी का ताबूत रखा है। चारों तरफ गार्ड्स खड़े हैं। इस दौरान महारानी के पार्थिव शरीर के पास खड़ा गार्ड बेहोश होकर गिर पड़ा। काली यूनीफॉर्म पहने यह गार्ड मुंह के बल जमीन पर गिरा। वीडियो में देखा जा सकता है कि दो लोग उसकी मदद करने के लिए दौड़ते हैं। इस दौरान कुछ देर के लिए इसका लाइव प्रसारण भी रोक दिया गया। महारानी का ताबूत जब लंदन के लिए एडिनबरा हवाई अड्डे से भेजा गया, तब वहां पर राष्ट्रगान की धुन बजाई गई। महारानी के ताबूत के साथ उनकी बेटी प्रिसेंस एनी भी थीं जो रॉयल एयरफोर्स (आरएएफ)के विमान से एडिनबरा से लंदन साथ आई हैं। महारानी के ताबूत को जिस विमान से लाया गया है, उसका इस्तेमाल पूर्व में मानवीय सहायता में किया जाता रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के ताबूत को स्कॉटलैंड के एडिनबरा से लंदन ले जाने वाले ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स ट्रांसपोर्ट विमान पर करीब 60 लाख लोग नजर रखने की कोशिश कर रहे थे, जिससे यह इतिहास में सबसे अधिक ट्रैक की जाने वाली उड़ान बन गई है। महारानी का ताबूत मंगलवार शाम को आरएएफ ग्लोबमास्टर सी-17 विमान से एडिनबरा के सेंट गाइल्स चर्च से यहां लाया गया था।

रूसी सेना का अमानवीय कृत, यूक्रेन में फिर मिली 440 से अधिक शवों की सामूहिक कब्र

कीव । रूस के यूक्रेन पर हमले को 6 महीने से भी अधिक समय के बाद भी घमासान जारी है और युद्ध के बीच जहां से रूसी सेना को भगाया है, वहां उनका अमानवीय कृत सामने आया है। यहां 440 से अधिक शवों की नई कब्र मिली है। यूक्रेन के पूर्वी शहर इजियम के बाहर एक जंगल में सामूहिक कब्र में इन शवों को दफन किया गया था। खार्किव इलाके के चीफ पुलिस इंवेस्टिगेटर सर्गेइ बोल्विनोव ने कहा कि हर एक शव की फोरेंसिक जांच की जाएगी। शुरुआती जांच में पता चला है कि इनमें से कुछ गोलाबारी और हवाई हमलों से मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि यह अब तक मिले सबसे बड़े दफन स्थलों में से एक है। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने गुरुवार रात टेलीविजन पर दिए संबोधन में कहा, 'खारकीव क्षेत्र के इजियम में एक सामूहिक कब्र मिली है। आवश्यक प्रक्रियाएं पहले ही शुरू हो गई हैं। इसे लेकर स्पष्ट सूचना कल मिल जानी चाहिए।' जेलेंस्की ने यूक्रेन के कुछ अन्य शहरों के नामों का भी जिक्र किया, जिनके बारे में अधिकारियों का कहना है कि वहां से पीछे हटी रूसी सेना सामूहिक कब्रें छोड़कर जा रही है और वहां युद्ध अपराधों के सबूत मिले हैं। राष्ट्रपति ने कहा, 'बुचा, मारियुपोल और अब दुर्भाग्यपूर्ण रूप से इजियम...रूसी सेना हर जगह मौत के निशान छोड़कर जा रही है और उसे इसके लिए जवाबदेह ठहराना होगा। दुनिया को इस युद्ध की असल जिम्मेदारी रूस पर डालनी होगी।' मालूम हो कि रूसी सेना यूक्रेन की आक्रामक प्रतिक्रिया के बीच पिछले सप्ताह इजियम सहित खारकीव क्षेत्र के कई हिस्सों से पीछे हट गई थी। जेलेंस्की ने बुधवार को इजियम शहर का दौरा किया था।

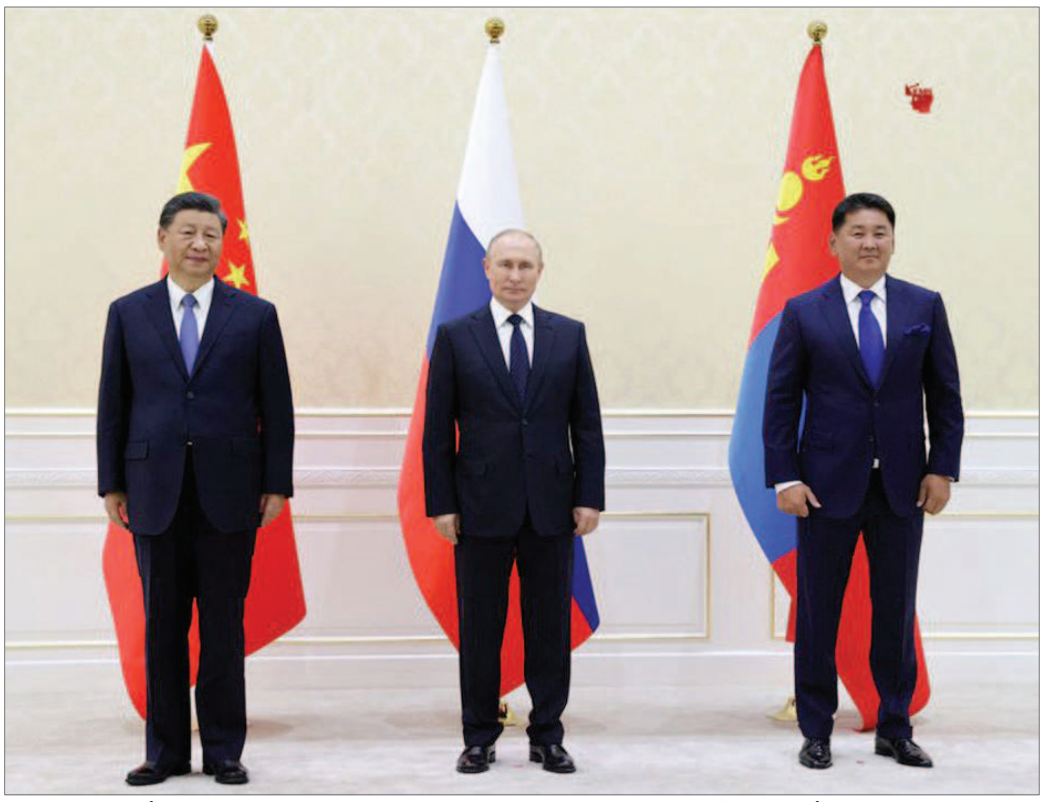

समरकंद में शंघाई सहयोग सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रुसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और मंगोलियाई राष्ट्रपति उखना खुरेलसुख।

भारतीय मूल के इम्तियाज अहमद फजल दक्षिण अफ्रीका के खुफिया महानिरीक्षक चुने गए

नई दिल्ली। भारतीय मूल के खुफिया सेवा अधिकारी इम्तियाज अहमद फजल को दक्षिण अफ्रीका की संसद ने देश के खुफिया महानिरीक्षक (आईजीआई) के पद पर नियुक्त किया है। आईजीआई को दक्षिण अफ्रीका की तीन मुख्य खुफिया सेवाओं-राज्य सुरक्षा एजेंसी, सैन्य खुफिया एजेंसी और दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवाओं के अपराध खुफिया विभाग में दुर्व्यवहार के आरोपों की जांच करने की विधायी शक्ति हासिल है। नेशनल असेंबली ने खुफिया सेवा निगरानी अधिनियम-1994 की धारा 7(1) के अनुसार फजल के नामांकन को अनुमोदित किया। फजल ने 12 अन्य दावेदारों को पीछे छोड़ते हुए आईजीआई पद के लिए अनुमोदन हासिल किया। इस पद के लिए कुल 25 आवेदन आए थे, जिनमें से 12 को साक्षात्कार के लिए चुना गया था। हालांकि, राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा द्वारा फजल की नियुक्ति की आधिकारिक पुष्टि किया जाना अभी बाकी है। नेशनल असेंबली की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, 'अधिनियम के तहत संयुक्त स्थायी समिति (जेएससीआई) के लिए, एक दावेदार के नाम की सिफारिश पर नेशनल असेंबली के कम से कम दो-तिहाई सदस्यों का अनुमोदन अनिवार्य है।' बयान में कहा गया है, 'एक बार जब सदन जेएससीआई की सिफारिश को मंजूरी दे देती है तो संबंधित नाम दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति को भेजा जाता है, ताकि वह नामित व्यक्ति को आईजीआई के रूप में नियुक्त करने पर विचार कर सकें।' दक्षिण अफ्रीका का आईजीआई पद 15 मार्च 2022 को सेतलोमोमारु आइजैक दिन्त्वे के सेवानिवृत्त होने के बाद रिक्त हो गया था।

एससीओ में नरेंद्र मोदी से मिलने जा रहे हैं पुतिन, डोनाल्ड ट्रंप दे रहे हैं भारत और अमेरिका की दोस्ती की दुहाई

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नवंबर में मध्यावधि चुनाव से पहले प्रभावशाली भारतीय-अमेरिकी समुदाय को लुभाने के लिए भारत-अमेरिका की मित्रता के संबंध में हिंदी में तैयार एक नारे का अभ्यास करते नजर आए। रिपब्लिकन हिंदू कोलिशन (आरएचसी) द्वारा जारी वीडियों में ट्रंप 'भारत एंड अमेरिका सबसे अच्छे दोस्त' नारे का अभ्यास करते दिख रहे हैं। 30 सेकंड के इस वीडियो में ट्रंप शिकागो के कारोबारी एवं आरएससी के सदस्य शलभ कुमार के साथ बैठे नजर आ रहे हैं। यह नया नारा ट्रंप के 2016 के 'अबकी बार ट्रंप सरकार' नारे से प्रेरित है।

इस नारे ने भारतीय अमेरिकियों का ध्यान आकर्षित किया था और कई प्रमुख प्रांतों में रिपब्लिकन पार्टी को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। 'अबकी बार ट्रंप सरकार' और 'भारत एंड अमेरिका सबसे अच्छे दोस्त' के नारे तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले कुमार ने साक्षात्कार में कहा था कि उन्होंने और आरएचसी ने भारतीय-अमेरिकी समर्थन हासिल करने के लिए भारतीय मीडिया में पूर्व राष्ट्रपति के नए नारे का प्रचार करने की योजना बनाई है। राजनीतिक पर्यवेक्षक और ताजा सर्वेक्षण इशारा करते हैं कि मध्यावधि चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को प्रतिनिधि सभा में एक बार फिर बहुमत मिल सकता है। कुमार ने कहा, ''मुख्य मकसद सीनेट में पांच (रिपब्लिकन) उम्मीदवारों के लिए भारी समर्थन जुटाना है, जहां मतों का अंतर 50,000 से भी कम रहेगा और कुछ सीट पर तो यह 10,000 या पांच हजार मत के आसपास भी रह सकता है।''

उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, ''हिंदू मतों से अंतर पड़ेगा। इनमें स्वतंत्र मतदाताओं की सबसे बड़ी संख्या है।'' कुमार और आरएचसी 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप के प्रचार अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा थे, लेकिन 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में दोनों अलग हो गए थे। कुमार ने कहा कि उन्होंने इस साल 21 मार्च को मार-ए-लागो में ट्रंप से मुलाकात की थी। उसके बाद भी दोनों के बीच कुछ बैठकें हुई हैं। अमेरिका के पंजीकृत मतदाताओं में करीब एक प्रतिशत भारतीय-अमेरिकी हैं।

अमेरिका ने एक बार फिर यूक्रेन की मदद का किया ऐलान, 600 मिलियन डॉलर देगा

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

युद्ध की विभीषिका से गुजर रहे यूक्रेन को 6 महीने से अधिक हो गए हैं। युद्ध में अमेरिका लगातार यूक्रेन की मदद कर रहा है। वॉशिंगटन ने एक बार फिर अतिरिक्त सैन्य सहायता में 600 मिलियन डॉलर के मदद की घोषणा की है। अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। अमेरिकी विदेश सचिव एंटनी ब्लिंकन ने जानकारी देते हुए कहा कि इस 600 मिलियन डॉलर पैकेज में अतिरिक्त हथियार, युद्ध सामग्री और उपकरण शामिल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार इस 600 मिलियन डॉलर पैकेज के साथ यूक्रेन के लिए अमेरिकी सैन्य सहायता अब 15.8 बिलियन डॉलर पहुंच गई है। विदेश सचिव ने आगे कहा कि मित्र राष्ट्रों और सहयोगी देशों के साथ अमेरिका इन हथियारों और उपकरणों को यूक्रेन को दे रहा है। इन हथियारों और उपकरणों का उपयोग यूक्रेन की सेना प्रभावी ढंग से कर रही है। इसके साथ ही सेना रूस के आक्रमण के खिलाफ अपने सफल जवाबी हमले को जारी रखे हुए है। ब्लिंकन ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का हवाला देते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने स्पष्ट कर दिया है कि अमेरिका यूक्रेन के लोगों का तब तक समर्थन करेगा जब तक उसे आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि सराहनीय साहस और दृढ़ संकल्प के साथ यूक्रेन के लोग अपनी मातृभूमि की रक्षा कर रहे हैं और अपने भविष्य के लिए लड़ रहे हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका यूक्रेन का समर्थन करने के लिए 50 से अधिक देशों के साथ यूक्रेन को सैन्य सहायता प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि 'हम जो क्षमताएं प्रदान कर रहे हैं, उन्हें युद्ध के मैदान में अधिक अंतर लाने के लिए सावधानीपूर्वक उपयोग किया जा रहा है। ब्लिंकन ने दोहराया कि अमेरिका सहयोगियों के साथ यूक्रेन के लिए मजबूती से खड़ा है। मालूम हो कि मास्को द्वारा यूक्रेन के अलग-अलग क्षेत्रों को स्वतंत्र संस्थाओं के रूप में मान्यता देने के तीन दिन बाद रूसी सेना ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन में हमला कर दिया था।' हमले के बाद यूके, यूएस, कनाडा और यूरोपीय संघ सहित कई देशों ने यूक्रेन में रूस के हमले की निंदा की और मास्को पर प्रतिबंध लगाए।

नेपाल का कहना है कि अग्निपथ योजना के तहत गोरखा भर्ती पर फैसला नवंबर में चुनाव के बाद होगा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

नेपाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय सेना में 'अग्निपथ योजना' के तहत गोरखा भर्ती के संबंध में फैसला 20 नवंबर को आम चुनाव के बाद नव-निर्वाचित सरकार करेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सेवा लाम्साल ने काठमांडू में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारतीय सेना में अल्पकालिक भर्ती के संबंध में तत्काल फैसला लिए जाने की संभावना बेहद क्षीण है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की यह टिप्पणी मीडिया में आयी उन खबरों पर प्रतिक्रिया है जिसमें भारतीय सेना के प्रमुख जनरल मनोज पांडेय के हवाले से कहा गया है कि अगर नेपाल इस संबंध में जल्दी फैसला नहीं लेता है तो 'अग्निपथ योजना' के तहत मौजूदा भर्तियों में भारत को नेपाल से सैनिकों की भर्ती से पीछे हटने का फैसला लेना पड़ेगा। जनरल पांडेय पिछले ही सप्ताह नेपाल यात्रा पर आए थे और अपने समकक्ष सहित हिमालयी देश के शीर्ष नेतृत्व से मिले थे। भारतीय सेना की अल्पकालीक भर्ती योजना 'अग्निपथ' के तहत गोरखा भर्ती 24 अगस्त से शुरू होनी थी। हालांकि, नेपाल के अनुरोध पर इसे आगे बढ़ा दिया गया है। ऑनलाइन पोर्टल 'नेपालखबर डॉट कॉम' की खबर के अनुसार, नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, ''भारतीय सेना में गोरखा भर्ती पर नेपाल फिलहाल भारतीय अधिकारियों के साथ कोई बातचीत नहीं करेगा।'' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि 20 नवंबर को आम चुनाव के बाद नवनिर्वाचित सरकार भारतीय सेना की 'अग्निपथ योजना' में गोरखा भर्ती पर फैसला लेगी।

पाकिस्तान को अव्यवस्था से बचाने का एकमात्र उपाय जल्द चुनाव कराना है: इमरान खान

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि देश को अव्यवस्था से बचाने का एकमात्र रास्ता जल्द और पारदर्शी तरीके से चुनाव कराना है। खान ने आगाह किया कि देश की आर्थिक स्थिति तेजी से बिगड़ रही है और ऐसे स्तर तक पहुंच सकती है, जहां से लौटना मुमकिन नहीं होगा। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के प्रमुख ने एक वीडियो संबोधन में बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ की सरकार को आड़े हाथों लेते हुए दावा किया कि पिछले पांच महीने के दौरान उनका शासन निराश करने वाला रहा है।

उन्होंने कहा, 'मुल्क को अव्यवस्था में जाने से बचाने के लिए जल्द और पारदर्शी चुनाव कराना ही एकमात्र रास्ता है.. अगर चुनाव नहीं हुए तो चीजें काबू से बाहर हो जाएंगी।' खान ने कहा कि राजनीतिक स्थिरता से ही अर्थव्यवस्था को स्थिर किया जा सकता है। उन्होंने कहा, हमें देश को इस नाजुक हालात से बाहर निकालना है... वे (सरकार) तेजी से देश को अव्यवस्था की ओर धकेल रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मौजूदा सरकार के इन आरोपों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि खान की अगुवाई पिछली सरकार ने ही स्थिति खराब की थी। उन्होंने दावा किया कि जब उनकी सरकार गिराई गई, उस वक्त अर्थव्यवस्था की स्थिति ठीक थी। खान ने दावा किया कि दुनियाभर में महंगाई समेत अभूतपूर्व चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने ईंधन की कीमतों और बिजली की दरों में कटौती की।

उन्होंने कहा कि उनके शासनकाल में निर्यात 24 अरब डॉलर से बढ़कर 32 अरब डॉलर पहुंच गया और प्रवासियों द्वारा भेजा जाने वाला धन भी 19 अरब डॉलर से बढ़कर 31 अरब डॉलर हो गया था, जिससे राजकोषीय घाटे को कम करने में मदद मिली। खान ने कहा कि उनकी सरकार 16 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार छोड़कर गई थी जो अब घट कर आठ अरब डॉलर रह गया है। खान ने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी और कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है और उनके खिलाफ आतंकवाद के आरोप सहित अन्य झूठे मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

चीन ने ताइवान की रक्षा का समर्थन करने वाले अमेरिकी सीनेट विधेयक की कड़ी आलोचना की

बीजिंग (एजेंसी)।

अमेरिकी सीनेट की विदेश संबंध समिति द्वारा ताइवान को रक्षा सहयोग में बढ़ोतरी से संबंधित विधेयक को मंजूरी दिये जाने के बाद चीन के विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को अमेरिका पर 'वन-चाइना' के सिद्धांत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का उल्लंघन करने और चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने बीजिंग में संवाददाताओं से कहा कि चीन ने संबंधित विधेयक को लेकर अमेरिका से 'गंभीर शिकायतें' दर्ज कराई हैं।

इस विधेयक के कानून में तब्दील होने के लिए अब भी अमेरिकी सदन और राष्ट्रपति जो बाइडन की मंजूरी की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''वन-चाइना सिद्धांत चीन-अमेरिका के संबंधों का राजनीतिक आधार है। अगर बिल पर विचार-विमर्श जारी रहा, इसे मंजूरी दी गयी या इस पर हस्ताक्षर किया गया, तो यह चीन-अमेरिका की राजनीतिक नींव को हिलाकर रख देगा तथा ताइवान जलडमरूमध्य में दोनों देशों के बीच संबंधों तथा शांति और स्थिरता की दृष्टि से गंभीर परिणाम होंगे।''

बुधवार को समिति द्वारा अनुमोदित ताइवान नीति अधिनियम 2022, ताइवान की 'सुरक्षा और उसके आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन' को मंजूरी देता है और इसके तहत अमेरिका, ताइवान की जवाबी हस्तक्षेप क्षमताओं को बढ़ाने में रक्षा फंड के तहत अरबों डॉलर प्रदान करेगा। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के साथ विधेयक तैयार करने वाले अमेरिकी डेमोक्रेटिक सीनेटर बॉब मेनेंडेज ने कहा, ''आज हम जिस विधेयक को मंजूरी दे रहे हैं, वह स्पष्ट करता है कि अमेरिका, चीन के साथ युद्ध नहीं चाहता है या तनाव नहीं बढ़ाना चाहता है।

इसके ठीक विपरीत हम सावधानीपूर्वक तथा रणनीतिक दृष्टि से ताइवान के ऊपर अस्तित्व के खतरे को कम करने का प्रयास कर रहे हैं।'' विधेयक को समिति की मंजूरी ऐसे समय मिली है, जब पिछले महीने अमेरिकी सदन की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी की ताइपे यात्रा के बाद से ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका के बीच तनाव पहले से ही अधिक था।

इस घटना ने चीन को ताइवान जलडमरूमध्य में मिसाइलें दागने और द्वीप के चारों ओर सैन्य अभ्यास के नाम पर बड़ी संख्या में जहाजों और युद्धक विमानों को जुटाने के लिए उकसाया। एक बयान में, ताइवान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह विधेयक पर ''इस उम्मीद के साथ अमेरिकी सरकार के साथ सम्पर्क बनाए रखेगाकि यह कानून में तब्दील हो सकता है, जिससे अमेरिका और ताइवान के बीच दोस्ताना संबंध आगे बढ़ सकते हैं तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित हो सकती है।

संपादकीय

अस्वस्थ हेल्थ बजट

सवाल है कि आर्थिक उन्नति के दावों के बावजूद हमारा स्वास्थ्य बजट क्यों नहीं बढ़ रहा है। कोविड संकट ने केंद्र व राज्य सरकारों को इस बात का अहसास कराया कि पर्याप्त बजट न होने के चलते महामारी के दौरान देश ने बड़ी कीमत चुकाई है।

यह चिंता की बात है कि देश के सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में स्वास्थ्य बजट में गिरावट आई है। हालांकि, महामारी के दौर ने केंद्र व राज्य सरकारों को स्वास्थ्य बजट बढ़ाने को बाध्य किया, लेकिन इस बजट में निरंतर वृद्धि जरूरी है। तभी आम आदमी को राहत मिलेगी। दरअसल, नेशनल हेल्थ अकाउंट के नवीनतम आंकड़ों में खुलासा हुआ कि वर्ष 2004-05 से जीडीपी के अनुपात में स्वास्थ्य बजट में जो लगातार वृद्धि जारी थी, वह वर्ष 2018-19 में गिरावट दर्ज करती है। पिछले वित्त वर्ष में 1.35 के मुकाबले 2018-19 में यह 1.28 फीसदी रही। सवाल है कि आर्थिक उन्नति के दावों के बावजूद हमारा स्वास्थ्य बजट क्यों नहीं बढ़ रहा है। कोविड संकट ने केंद्र व राज्य सरकारों को इस बात का अहसास कराया कि पर्याप्त बजट न होने के चलते महामारी के दौरान देश ने बड़ी कीमत चुकाई है। यही वजह है कि इसे स्वास्थ्य आपातकाल मानते हुए केंद्र व राज्य सरकारों ने सेहत की प्राथमिकताओं के चलते अपने बजट को बढ़ाया। इससे सबक लेकर हमें जीडीपी के मुकाबले स्वास्थ्य बजट में लगातार वृद्धि करनी चाहिए। यहां सवाल यह भी कि जब वर्ष 2017 की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में 2025 तक जीडीपी के अनुपात में स्वास्थ्य बजट 2.5 फीसदी करने का लक्ष्य रखा था तो फिर इस दिशा में ईमानदार प्रयासों में निरंतरता क्यों नहीं नजर आती है। निस्संदेह, देश की तरक्की के अनुपात में स्वास्थ्य सेवाओं का भी विस्तार किया जाना चाहिए। देशवासियों की बेहतर सेहत भी आर्थिक प्रगति का ही सूचक है। वैसे हाल में जारी आंकड़ों का सकारात्मक पक्ष यह भी है कि भारतीयों द्वारा स्वास्थ्य की देखभाल पर जेब से किये जाने वाले खर्च में गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष 2004-05 की तुलना में यह वर्ष 2018-19 में कुल राष्ट्रीय व्यय के 70 फीसदी के मुकाबले 48 फीसदी हो गया। इसके मूल में तथ्य यह भी है कि इस अवधि में सरकारी स्वास्थ्य व्यय 22.7 से बढ़कर 40.6 हो गया।बहरहाल, सरकारों को करदाताओं से अर्जित आय को विवेकशील ढंग से खर्च करके स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी जरूरतों को प्राथमिकता देनी होगी। इसमें दो राय नहीं कि चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार शहरों तक ही केंद्रित नहीं होना चाहिए। यदि शहरों में बड़े अस्पताल बनते हैं तो ग्रामीणों को यातायात व रहने-खाने पर अधिक खर्च करना पड़ता है, जिससे उनका स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च बढ़ जाता है। निस्संदेह, बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं हर नागरिक का अधिकार है। सरकारें सुनिश्चित करें कि ग्रामीणों को निकट के कस्बों व शहरों में गुणवत्ता का उपचार मिल सके। साथ ही वे फर्जी डॉक्टरों व नीम-हकीमों के चंगुल से मुक्त हो सकेंगे। इसके साथ ही स्वास्थ्य तंत्र भ्रष्टाचार से मुक्त हो और केंद्र व राज्य स्वास्थ्य बजट में लगातार वृद्धि करते रहें। वहीं यह बात शिद्दत से महसूस की जाती रही है कि ग्रामों व छोटे शहरों में भी विशेषज्ञता का उपचार उपलब्ध हो। जब सरकारें चिकित्सा सेवाओं पर पर्याप्त धन खर्च करती हैं तो मरीजों व उनके तीमारदारों की जेब पर खर्च का दबाव कम होता है। हालांकि, स्वास्थ्य सेवाएं राज्य सूची में शामिल होती हैं लेकिन केंद्र सरकार के बजट व पारदर्शी नीतियों से राज्यों की चिकित्सा गुणवत्ता में सुधार होता है। केंद्र की नीतियां बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के अनुकूल माहौल बना सकती हैं।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

पत्नी: आप बहुत देर से घर के बाहर खड़े हो , पर अंदर क्यों नहीं आ रहे थे ?

पति: और तुम इतनी रात तक जाग कर क्या कर रही हो।

पत्नी: मैं पांच घंटे से आपके इंतजार में जाग रही थी।

पति: और मैं पांच घंटे से इसी इंतजार में बाहर खड़ा था कि तुम सो जाओ तो मैं अंदर आऊं।

□ □ □

ग्राहक, 'यह सुप तो बहुत ही पतला है?'

बैरा, 'मैनेजर साहब की इच्छा है की प्लेट पर बने बेल बूटे भी आप देख सकें।'

□ □ □

सुमित्रा (बेटे गौरव से), 'बेटा आज तुम सोते-सोते इतनी जोर से गाना क्यों गा रहे थे?'

गौरव, 'मम्मी। सपने में नहाते हुए मुझे जोर से ठंड लग रही थी। गाना नहीं गाता तो औंर क्या करता।'

□ □ □

लड़का - तुम गाना बहुत अच्छा गाती हो।

लडकी - नहीं , में तो सिर्फ बाथरूम सिंगर हूँ।

लड़का - तो बुलाओ ना कभी , महफिल जमाते हैं।

मोदी: नये भारत निर्माण के विश्वकर्मा

(जन्मदिवस पर विशेष)

लेखक - -विष्णुदत्त शर्मा

जिस दिन प्रधानमंत्री जी ने ग्रेनाइट पत्थर पर उकेरी गई नेता जी की 65 मीट्रिक टन की प्रतिमा को स्थापित किया, उसी क्षण उन्होंने गुलामी का प्रतीक 'राजपथ' नाम भी मिटाकर 'कर्तव्यपथ' कर दिया। यह कोई मामूली नामकरण नहीं है, बल्कि स्वाधीनता के अमृतवर्ष का सुफल है। यह हमारी लोकतांत्रिक स्वाधीनता संबंधी विमर्श का महान पड़ाव भी है। नि:संदेह ऐसा कदम मोदी जैसा विराट व्यक्तित्व ही उठा सकता है दशकों पुरानी धारणाओं को ध्वस्त कर नई इबारत लिखना उनकी विशेषता भी है।

तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा...नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा किया गया यह आह्वान केवल नारा नहीं था, परदेशी बेड़ियों से भारतमाता को मुक्त कराने का शंखनाद था। इस महावाक्य ने देश के लाखों नौजवानों को स्वतंत्रता के समर में सर्वस्व बलिदान करने का साहस दिया। सर्वविदित है कि भारत को स्वाधीनता दिलाने में नेताजी के अतुलनीय योगदान को कमतर आँकने की कोशिश की जाती रही। राजकीय उपेक्षा के सात दशक बीतने के बाद गत 8 सितंबर को जब राजधानी दिल्ली के इंडिया गेट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी ने उनकी विशालकाय प्रतिमा का अनावरण किया, तब सही मायने में उन्होंने नये भारत के निर्माण में उन अनकहे विमर्शों को भी नई पहचान दी, जिन पर 75 साल तक धूल डाल दी गई थी। उल्लेखनीय है कि हमारा देश स्वाधीनता का 75 वां अमृत महोत्सव वर्ष मना रहा है। ऐसे में यह जरूरी है कि हमारी आजादी की कहानी के वे अध्याय दुरुस्त किये जायें, जो किसी परिवार विशेष की गाथा तक सीमित हैं। उन पृष्ठों को खोलकर नई पीढ़ी को दिखाए जाएं, जिसमें हमारे जननायकों की शौर्यभरी कहानियां ढंक दी गई हैं। जिस दिन प्रधानमंत्री जी ने ग्रेनाइट पत्थर पर उकेरी गई नेता जी की 65 मीट्रिक टन की प्रतिमा को स्थापित किया, उसी क्षण उन्होंने गुलामी का प्रतीक 'राजपथ' नाम भी मिटाकर 'कर्तव्यपथ' कर दिया। यह कोई मामूली नामकरण नहीं है, बल्कि स्वाधीनता के अमृतवर्ष का सुफल है। यह हमारी लोकतांत्रिक स्वाधीनता संबंधी विमर्श का महान पड़ाव भी है। नि:संदेह ऐसा कदम मोदी जैसा विराट व्यक्तित्व ही उठा सकता है दशकों पुरानी धारणाओं को ध्वस्त कर नई इबारत लिखना उनकी विशेषता भी है। विगत 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री ने देश को 'पांच प्रण' दिलाए थे जो हमें सदा स्मरण रखना चाहिए- विकसित भारत, गुलामी से मुक्ति, विरासत पर गर्व, एकता और एकजुटता, नागरिकों का कर्तव्य। इनमें दूसरा प्रण हमें और हमारी वर्तमान युवा पीढ़ी के लिए अधिक ध्यान देने योग्य है। मोदी जी ने कहा था कि गुलामी के किसी भी अंश को बचने नहीं देना है। जिसका अर्थ यही है कि सभी नागरिक मिलकर गुलामी के हर चिन्ह से देश को मुक्ति दिलाएँ। इसके साथ भारत को श्रेष्ठ, आत्मनिर्भर, स्वाधीन, नेतृत्वकर्ता बनाने का यह महामंत्र उन्होंने दिया था। चेतना के स्तर पर गुलामी से मुक्ति दिलाने का ऐसा संकल्प नरेंद्र मोदी को सभी नेताओं से अलग खड़ा करता है। मन, कर्म, वचन से राष्ट्रीय विमर्श को सही दिशा देने का सामर्थ्य, राजनीतिक जीवन में ऐसी विलक्षणता भी अद्वितीय है। भारत में वंशवादी तथा अलगाववादियों ने जिस प्रकार पंथ, जाति, भाषा, क्षेत्र के नाम पर विभाजन के विमर्श खड़े किये हैं, वह पराधीनता और औपनिवेशिक गुलामी की देन है। वस्तुतः प्रधानमंत्री मोदी ने स्वाधीनता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर भारत की कोटि कोटि 'प्राणशक्ति' को जगाने का काम किया। जब यह प्राणशक्ति जागेगी तो निश्चित ही देश के 'स्वत्व' का केंद्र भी बदल जाएगा। वह पराधीनता की मानसिकता से बाहर आकर देश की प्रगति का सच्चा वाहक बनेगा। विगत आठ साल के शासन में मोदी सरकार ने देश के अंदर और बाहर प्रत्येक क्षेत्र में ऐसे निर्णय लिये हैं, जिससे भारत की जनशक्ति को नया बल मिला है। हमारी जनशक्ति प्राणवान होकर नयी चेतना से समूचे विश्व में भारत के संदर्भ में नया विमर्श रच रही है। यहां पिछले दिनों लाल किले से ही प्रधानमंत्री द्वारा दिया गया वह नारा भी उल्लेखनीय है जिसमें उन्होंने जय जवान-जय किसान-जय विज्ञान को आगे बढ़ाते हुए 'जय अनुसंधान' का आह्वान किया। गुलामी के चिन्हों की निर्मूलता के लिए यह नारा मील का पत्थर सिद्ध होगा। इसके अंदर हमारी भाषाओं का अभिमान भी शामिल है। हमारी मेधा भाषा के चक्रव्यूह में फँसकर गुलामी की जकड़न में उलझी रहती है। इसलिए पीएम ने अनुसंधान में भाषागत मजबूरियों का नकली आवरण हटाने का संकेत दे दिया। मोदी सरकार की शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, विनिर्माण, अर्थव्यवस्था, सामिरक रणनीति, वैदेशिक नीतियों की बहुत चर्चा हो चुकी है और भारत की जनता ने भी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं पर बारंबार मुहर लगायी है। अतः चार दिन पहले ही 77 फीसदी एप्रूवल रेटिंग के साथ वैश्विक नेताओं की तुलना में दुनियाभर में सबसे अधिक लोकप्रिय नेता हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 72 वें जन्मदिवस के अवसर पर इन बिन्दुओं को छोड़कर नये भारत के निर्माण में उनकी कार्यकुशलता, परिणामकारी नेतृत्व और उससे ऊपजे विमर्श की चर्चा होनी चाहिए। दुनिया इस बात से अचरज में है कि भारत को एक ऐसा नेतृत्व मिला है, जिसने भारतीयों की पहचान बदल दी है। नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में भारत के प्रति विश्व की दृष्टि बदल गई है। जिन देशों से संबंध रखने से पूर्व के अनेक भारतीय प्रधानमंत्री कतराते रहे उनके साथ भी मोदी के नेतृत्व में भारत ने मित्रता का नया अध्याय रच दिया है। इजरायल इसका श्रेष्ठ उदाहरण है जहां प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार मोदी पहुंचे और आज वह भारत के साथ अनेक तकनीकों पर काम कर रहा है। अंदरूनी तुष्टिकरण के कारण वर्षों तक इजरायल सहित कई देशों से हमारे संबंध बहुत सतही रखे गये, इस वैश्विक विमर्श को भारत ने मोदी के नेतृत्व में बदल दिया है और यह दुनिया को बता दिया है कि भारत की मित्रता के मानदंड स्वायत्त हैं। इस संबंध में उसकी किसी दूसरे देश पर निर्भरता या मुँहदेखी नहीं है। यही बात मार्च 2019 में हुई जब भारत द्वारा एयर स्ट्राइक के दौरान पाक अधिकृत कश्मीर वाले क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना के कब्जे में घिरे हमारे पायलट विंग कमांडर अभिनंदन की भारत ने सकुशल वापसी कराई। उस समय दुनिया की किसी भी ताकत के आगे न झुककर केंद्र सरकार ने सामरिक क्षेत्र में भारत के प्रति विश्व का नजरिया बदल दिया। जम्मू कश्मीर से धारा 370 की विदाई पर भी अंतरराष्ट्रीय शक्तियों की परवाह नहीं करते हुए भारत ने अपने प्रति वैश्विक विमर्श को बदला। डोकलाम सीमा से चीनी सौनिकों की वापसी, बांग्लादेश से जुड़े जमीनी मुद्दे और नेपाल से संबंधों पर भारत ने नये सिरे से अपनी स्वशासिता का परिचय दिया है।

विगत आठ वर्षों में मोदी सरकार ने 'लुक ईस्ट' (पूरब की ओर देखो) की नीति को बदलकर 'एक्ट ईस्ट एशिया' किया जिससे भारत की जरूरतों को पूरा किया जा सके। आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल की राह पर चलते हुए मोदी सरकार ने आर्थिक प्रतिस्पर्द्धा में चीन को चुनौती देकर पटखनी दी है। मोदी के नेतृत्व में अब दुनिया को यह अहसास हो गया है कि पूर्वी भाग के प्रति सक्रिय नीति रखना प्रत्येक देश का कर्तव्य है। पहली बार प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद ही नरेंद्र मोदी जी ने साफ कर दिया था वे भारत को 'बैलेंसिंग पावर' की भूमिका से बाहर निकालकर 'जिम्मेदार ताकत' बनाएंगे। बहुआयामी वैश्विक नीति के बल पर उन्होंने यह कर दिखाया है। विगत आठ सालों में उन्होंने भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका को बदल दिया है। कोरोना की वैश्विक महामारी के दौरान सारी दुनिया ने भारत की इस जिम्मेदार ताकत का अनुभव किया। स्वदेशी वैक्सीन से देश ने 'विश्व आर्डर' बदल दिया। इस लिहाज से भारत के प्रति दया भाव वाला समूचा विमर्श भी मोदी ने बदल दिया है। सैन्य शक्ति एवं अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भी स्वदेशी शक्ति का परचम लहरा कर विश्व को चकित किया ही है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से देश को संपूर्ण स्वाबलंबी बनाने की दिशा में सक्रिय प्रधानमंत्री मोदी भारत के सामाजिक विमर्श में भी ऐतिहासिक परिवर्तन लाये हैं। स्वाधीनता के अमृत वर्ष में देश के सुदूर वनक्षेत्रों से उठी जिस चिंगारी की चर्चा अब तक नहीं हुई थी, उसे राष्ट्रीय मंथन का विषय बनाया है। अनेक गुमनाम नायकों को इतिहास के सुनहरे पृष्ठों में स्थान मिल रहा है। मयूरभंज के वनवासी गांव में जन्मी श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर उन्होंने देश का लोकतांत्रिक विमर्श भी नये सिरे से गढ़ दिया है। वंशवाद की राजनीति के स्थान पर लोकमन को स्थान देना भी भारत के प्रति स्थापित विमर्श-धारा को मोड़ने वाला है। निश्चय ही 25 साल बाद जब देश स्वाधीनता का शताब्दी वर्ष मनाएगा, तब भारत संबंधी विमर्श गौरव भाव से परिपूर्ण होगा। यह मध्यप्रदेश के लिए अतिरिक्त गौरव की बात है कि माननीय श्री मोदी जी अपने जन्मदिवस पर मध्यप्रदेश आ रहे हैं। वे अपने जन्मदिवस पर मध्यप्रदेश के श्योपुर जिले के कूनो पालपुर राष्ट्रीय अभ्यारण्य में 8 चीतों की पुनस्थार्पना करेंगे। इससे मध्यप्रदेश की समृद्धि में नई संभावनाएं विकसित होंगी। यह दुर्लभ संयोग है कि विश्वकर्मा जयंती के पावन दिन ही नरेन्द्र भाई मोदी का भी सुखद जन्मदिवस है।

विचार मंथन

भाषा पर विवाद

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक बार फिर भाषा पर विवाद खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा को इंडिया को हिंदिया बनाने की कोशिशें बंद कर देनी चाहिए। बता दें कि बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह ने हिंदी को स्थानीय भाषाओं का प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि दोस्त बताया था। शाह ने कहा था, मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं। कुछ लोग गलत जानकारी फैला रहे हैं कि हिंदी और गुजराती, हिंदी और तमिल, हिंदी और मराठी प्रतिद्वंद्वी हैं। हिंदी कभी किसी भाषा की प्रतिद्वंद्वी नहीं हो सकती है। हिंदी देश की सभी भाषाओं की दोस्त है। स्टालिन ने शाह के बयान पर कहा, केंद्र को संविधान के आठवें शेड्यूल में दर्ज सभी 22 भाषाओं को आधिकारिक भाषा घोषित कर देना चाहिए। हिंदी न तो राष्ट्रीय भाषा है और न ही इकलौती आधिकारिक भाषा। हमें हिंदी दिवस की जगह भारतीय भाषा दिवस मनाना चाहिए। हिंदी की तुलना में दूसरी भाषाओं के विकास में बहुत कम संसाधन खर्च किए जाते हैं। केंद्र को इस फर्क को कम करना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत केंद्र सिर्फ हिंदी और संस्कृत को ही बढ़ावा दे रहा है। तमिलनाडु लंबे समय से दक्षिण राज्यों पर हिंदी थोपे जाने का विरोध करता रहा है। जब केंद्र ने देशभर के स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पेश करने का फैसला लिया था, तब तमिलनाडु और केंद्र के बीच टकराव बढ़ गया था। साठ के दशक में राज्य में हिंदी विरोधी प्रदर्शन किए गए थे और तत्कालीन केंद्र सरकार ने राज्य को भरोसा दिलाया था कि केंद्र और दक्षिणी राज्यों के बीच आधिकारिक भाषा के तौर पर अंग्रेजी मान्य रहेगी। इस लिहाज से दक्षिण भारतीय राज्यों में हिंदी का विरोध कोई नया नहीं है। 1937 में जब राजगोपालाचारी चक्रवर्ती की सरकार ने मद्रास प्रांत में हिंदी को लाने का समर्थन किया था परन्तु द्रविड़ कषगम (डीके) ने इसका विरोध किया था। तब विरोध ने हिंसक रूप ले लिया था और इसमें दो लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 1965 में दूसरी बार जब हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की कोशिश की गई तो एक बार फिर विरोध भड़क उठा था। हिंसक झड़पों में 70 लोगों की जानें चली गईं। दक्षिण के सभी राज्य भी इसके विरोध में थे। विरोध-प्रदर्शनों के परिणाम स्वरूप उस वक्त के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और लाल बहादुर शास्त्री को आश्वासन देना पड़ा था। तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री इंदिरा गांधी ने राजभाषा अधिनियम में संशोधन के जरिए अंग्रेजी को सहायक राजभाषा का दर्जा देकर अमल में लाया गया। तब से दक्षिण भारतीय राज्यों ने अंग्रेजी पर बहुत जोर दिया। उन्होंने इसका सामाजिक विकास और आर्थिक समृद्धि की सीढ़ी की तरक्की के तौर पर इस्तेमाल किया। हाल ही में हिंदी भाषा को लेकर दक्षिण भारतीय फिल्म स्टार और मुंबई फिल्म इंडस्ट्री के अभिनेता आपस में भिड़ गए थे। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक ने केंद्र सरकार को हिन्दी थोपने को लेकर चेतावनी देते हुए कहा था कि राज्य के लोग भाषा के मसले पर पार्टी के दिवंगत नेता एम. करुणानिधि के आंदोलन को भूले नहीं हैं और वे ऐसा नहीं होने देंगे। तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री के. पोनमुढ़ी ने हिंदी को अनिवार्य भाषा बनाने के विरोध में यह कहकर हंगामा खड़ा कर दिया था कि यहां हिन्दी बोलने वाले पानी-पूरी बेचते हैं जबकि अंग्रेजी वालों को अच्छी नौकरी मिलती है। मंत्री ने यह दावा किया कि राज्य सरकार दो भाषा प्रणाली को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाषा विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए जयपुर में भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा था कि भाजपा सभी भारतीय भाषाओं को भारतीयता की आत्मा मानती है। हर क्षेत्रीय भाषा में भारतीय संस्कृति का प्रतिबिंब है और राष्ट्र के बेहतर भविष्य की एक कड़ी के रूप में देखती है। उन्होंने याद दिलाया कि यह भाजपा ही है जिस ने पहली बार भारत की संस्कृति और भाषाओं को राष्ट्र के सम्मान से जोड़ा है। प्रधानमंत्री के इस कथन के बाद बात तभी खत्म मानी जा सकती थी। हाल का शाह का बयान किसी राज्य पर भाषा थोपने को लेकर कतई नहीं है।

(17 सितंबर नागरिक आंदोलन)

विश्व सफाई दिवस

लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन

स्वच्छता ईश्वर का दूसरा रूप हैं .विश्व में नित्य जो कुछ उपयोग करते हैं उसके बाद वह कूड़ा करकट बन जाता हैं .उसका निष्पादन करना अत्यंत आवश्यक हैं .कुछ प्रकृति द्वारा अवशोषित हो जाता हैं और कुछ नहीं होता .कचरा का रखरखाव उचित ढंग से न किया जाय तब वह कई बीमारियों के साथ खतरा पैदा कर देता हैं .इसी समस्या से निपटने विश्व सफाई दिवस मनाया जाता हैं . विश्व सफाई दिवस 191 देशों में लाखों स्वयंसेवकों, सरकारों और संगठनों को वैश्विक कचरे की समस्या से निपटने और नई और टिकाऊ दुनिया का निर्माण करने के लिए एकजुट करता है। विश्व सफाई दिवस एक नागरिक आंदोलन है, दुनिया भर में स्वयंसेवक और भागीदार हमारे ग्रह को कचरे से मुक्त करने के लिए एक साथ आते हैं - हमारे समुद्र तटों, नदियों, जंगलों और सड़कों से कूड़े और कुप्रबंधित कचरे को साफ करना। यह विश्व-परिवर्तनकारी विचार 2008 में छोटे उत्तरी यूरोपीय देश एस्टोनिया में शुरू हुआ। 50,000 लोग केवल पांच घंटों में पूरे देश को साफ करने के लिए एकजुट हुए। यह वैश्विक संगठन लेट्स डू इट द्वारा समन्वित है! विश्व , मुख्यालय तेलिन, एस्टोनिया में स्थित है। विश्व सफाई दिवस वैश्विक कुप्रबंधित अपशिष्ट संकट और पर्यावरण पर इसके प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कचरे के खिलाफ सबसे बड़ी एक दिवसीय शांतिकालीन नागरिक कार्रवाई है। केवल सफाई से ही संकट का समाधान नहीं होगा, लेकिन इन घटनाओं से समाज में परिवर्तन होता है

व्यक्तिगत व्यवहार में परिवर्तन को बढ़ावा देना

हमारे आसपास कचरा के बारे में जागरूकता पैदा करना

इस संकट की ओर नागरिक समाज और सरकारों का ध्यान भटकाना।

उद्देश्य प्रदूषण का एक उदाहरण जिसे विश्व स्वच्छ दिवस का उद्देश्य साफ करना है। विश्व सफाई दिवस 24 घंटे की अवधि के दौरान प्रतिवर्ष सितंबर के तीसरे शनिवार को आयोजित किया जाता है। विश्व सफाई दिवस का उद्देश्य सफाई कार्यों में भाग लेने के लिए समाज के सभी क्षेत्रों को लामबंद करके कुप्रबंधित अपशिष्ट संकट के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। व्यक्तियों, सरकारों, निगमों और संगठनों को सफाई में भाग लेने और कुप्रबंधित कचरे से निपटने के लिए समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ऐसे कई संगठन हैं जो विश्व स्तर पर विश्व सफाई दिवस कार्यक्रमों की सुविधा और मेजबानी करते हैं। पृथ्वी दिवस की तरह, विश्व सफाई दिवस गैर-पक्षपाती, अराजनीतिक है, और किसी भी राष्ट्रीय या वैश्विक राजनीतिक दल या असतत विचारधारा से संबद्ध नहीं है।

इतिहास उद्घाटन विश्व सफाई दिवस 15 सितंबर 2018 था, लेकिन यह पिछले वैश्विक सफाई प्रयासों की सफलताओं पर आधारित है। विश्व सफाई दिवस 2018 का लक्ष्य दुनिया की 5त्न आबादी (या लगभग 380 मिलियन लोग) को शामिल करना था। जबकि प्रयास लक्ष्य से कम हो गया, इसने दुनिया भर में सीधे 18 मिलियन लोगों को संगठित किया। पूरे मानव इतिहास में, विशेष रूप से भूकंप, बाढ़ और शक्तिशाली सूनामी ,महामारी जैसी व्यापक तबाही के बाद वैश्विक सफाई प्रयास कई रूपों में मौजूद हैं। आधुनिक इतिहास में, ये प्रयास आम तौर पर विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों और गैर सरकारी संगठनों, जैसे रेड क्रॉस, ऑक्सफैम और अन्य राहत संगठनों के समर्थन से प्रभावित समुदायों द्वारा किए जाते हैं, लेकिन आमतौर पर संघर्ष के बाद के क्षेत्रों में। उन्होंने लैंड माइन्स, समुद्र तट की सफाई, और अन्य नगरपालिका और गैर-सरकारी कार्यों को हटाने के प्रयासों को शामिल किया है। विश्व सफाई दिवसों में भाग लेने वाले आम तौर पर स्वयंसेवक होते हैं, गैर-सरकारी संगठनों के समन्वय के साथ जो जागरूकता बढ़ाने, रसद और धन उगाहने में सहायता करते हैं। सफाई की जिम्मेदारी व्यक्तिगत के साथ स्थानीय प्रशासन की होती हैं ,क्योंकि वह प्रत्येक नागरिक से सफाई कर लेती हैं इसके साथ स्थानीय प्रशासन की महत्व पूर्ण दायित्व होता हैं की वह अपने सफाई कर्मचारियों को भी सुरक्षा प्रदान करे।

कार्तिक-सारा में आई दूरियां

बालीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन और सारा अली खान ने दूरियां बनाना शुरू कर दिया और ब्रेकअप की खबरों का बाजार गर्म हो गया। दोनों मुंबई में आयोजित हुए ओटीटी प्ले अवॉर्ड्स में शामिल हुए। इस दौरान सारा और कार्तिक से पैपराजी ने साथ में पोज देने के लिए कहा लेकिन दोनों ने इग्नोर कर दिया। अवॉर्ड्स के दौरान सारा अली खान पैपराजी को पोज दे रही थीं। उसी समय कार्तिक का भी वहां आना हुआ। ऐसे में फोटोग्राफर्स ने कार्तिक को काफी आवाजें लगाईं कि वे सारा के साथ पोज दें लेकिन उन्होंने अनसुना कर दिया। इस बीच सारा वहां से निकल गईं। काफी कोशिशों के बाद भी दोनों की साथ में फोटो नहीं हो पाई।

उधर, अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान सारा और कार्तिक साथ बैठे नजर आए थे। जिसके बाद यह खबरें आ रही थीं कि दोनों के बीच ब्रेकअप नहीं हुआ है और दोनों अब भी साथ हैं। ऐसे में अब फैंस के बीच यह दुविधा है कि क्या दोनों अब भी साथ हैं या सिर्फ इवेंट्स के दौरान साथ नजर आते हैं ताकि किसी तरह की अफवाहें ना उड़ें। सारा अली खान ने 'कॉफी विद करण' में खुले आम कहा था कि वे कार्तिक आर्यन को डेट करना चाहती हैं। इसके बाद दोनों कई इवेंट्स में साथ नजर आए।

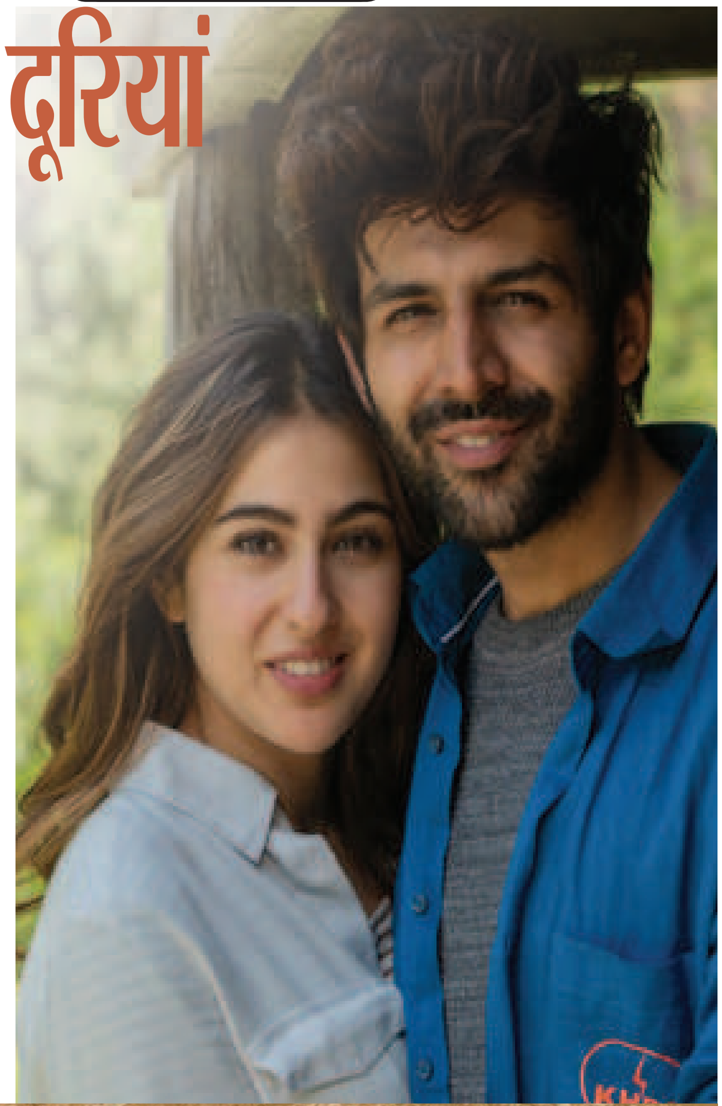

मालदीव में वेकेशन मना रहीं मौनी रॉय

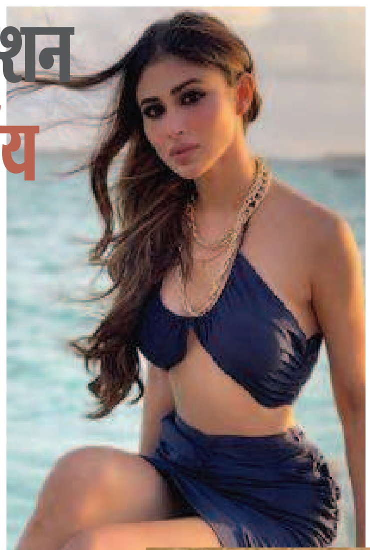

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय आज टीवी से लेकर बॉलीवुड तक अपनी पहचान बना चुकी हैं। वो इस वक्त मालदीव में अपनी वेकेशन एन्जॉय कर रही हैं। जिसका एक वीडियो एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में मौनी पिंक कलर की शॉर्ट ड्रेस पहन कर हाथ में ग्लास लिए जबरदस्त डांस मूव्स करती हुई नजर आईं। फैंस को मौनी का ये अंदाज खूब पसंद आ रहा है। बता दें, हाल ही में मौनी फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' में नजर आ रही हैं।

प्राइम वीडियो की मूवी मजा मा का वर्ल्ड प्रीमियर 6 अक्टूबर को होगा

भारत के सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट हब, प्राइम वीडियो ने आज अपनी पहली भारतीय अमेज़ॉन ओरिजिनल मूवी मजा मा के वर्ल्ड प्रीमियर की घोषणा की। लियो मीडिया कलेक्टिव और अमृतपाल सिंह बिंद्रा द्वारा निर्मित; आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित और सुमित बथेजा द्वारा लिखित, मजा मा एक फैमिली एंटरटेनर है, जो खुशहाल त्योहार और शानदार भारतीय शादी की पृष्ठभूमि पर फिल्माई गई है। हंसी-मजाक और प्यार के साथ ही रोचक उतार-चढ़ाव से भरपूर ये मूवी दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देती है। माधुरी दीक्षित इसमें लीड रोल में हैं और उन्होंने इस तरह का किरदार पहले नहीं निभाया है। माधुरी के साथ ही गजराज राव, ऋत्विक भौमिक, बरखा सिंह, सृष्टि श्रीवास्तव, रजित कपूर, शीबा चड्ढा, सिमोन सिंह, मल्हार ठाकर और निनाद कामत जैसे कलाकार फिल्म में अहम किरदारों में हैं। प्राइम मेंबर्स भारत और 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में इस बहुप्रतीक्षित हिंदी अमेज़ॉन ओरिजिनल मूवी को 6 अक्टूबर से स्ट्रीम कर सकते हैं।

मजा मा प्राइम वीडियो इंडिया की ओरिजिनल मूवी प्रोडक्शन स्लेट की अनेक फिल्मों में पहली है, जो न सिर्फ भारत के बल्कि दुनिया भर के दर्शकों के दिलों को छू जाने वाली दिलचस्प, वास्तविक और जमीन से जुड़ी कहानियों को पेश करती है।

प्राइम वीडियो की इंडिया ओरिजिनल्स की हेड, अपर्णा पुरोहित ने कहा 'अपने ग्राहकों के लिए अपनी पहली भारतीय अमेज़ॉन ओरिजिनल मूवी पेश करते हुए हम बेहद ख़ुश हैं। भारत में हमारे खुद के ओरिजिनल मूवी प्रॉडक्शन के क्षेत्र में प्रवेश करना एक सहज प्रगति थी क्योंकि हमारा मानना है कि यह हमारे ग्राहकों को और अच्छे मनोरंजन के साथ सुपर सर्विस देने के लिए हमारे लिए एक और द्वार खोलता है। मजा मा अनेक ओरिजिनल मूवीज में से पहली है, जो सीधे हमारी सर्विस पर लॉन्च होगी। यह फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि यह एक फीमेल लीड और उसके दृढ़ विश्वास की ताकत को बयां करती है। जिसे बॉलीवुड आइकन माधुरी दीक्षित ने पर्दे पर बखूबी निभाया है।'

उन्होंने आगे कहा, 'एक सशक्त कहानी के साथ, फिल्म में खूबसूरती से तैयार किया गया संगीत है, जिसे कहानी में गहराई से पिरोया गया है। आनंद तिवारी और अमृतपाल सिंह बिंद्रा के साथ एक बार फिर से काम करके हमें खुशी हो रही है। और हमें यकीन है कि मजा मा, दुनिया भर में हमारे दर्शकों को पसंद आएगी।'

मजा मा के निर्देशक, आनंद तिवारी ने कहा, 'मेरा गहराई से मानना है कि दर्शक आज ऐसे कंटेंट की तलाश में हैं जो अपने एप्रोच में बिल्कुल फ्रेश, विविध और आधुनिकतावादी हो, लेकिन कहानी दिल को छू जाए। दर्शक नए जॉनर्स और नए अनुभव चाहते हैं और मजा मा वह सब कुछ है। दर्शकों को भीतर तक छू जाने के साथ ही साथ उन्हें हंसाते हुए इस खुबसूरत कहानी में बेहद वर्सेटाइल एक्टर्स हैं जो अपने किरदारों में सहजता और खूबसूरती से जान फूंकते हैं। प्राइम वीडियो पर मजा मा का प्रीमियर होने के लेकर मैं खुश हूं। भारतीय कंटेंट को दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचते हुए देखना वाकई में सुकून देने वाला है।'

मजा मा के निर्माता अमृतपाल सिंह बिंद्रा ने कहा, 'बंदिश बैंडिट्स की सफलता के बाद प्राइम वीडियो के साथ यह मेरा दूसरा प्रोजेक्ट है और सर्विस पर मजा मा का प्रीमियर होने को लेकर मैं बहुत रोमांचित हूं। बेहतरीन प्रतिभाशाली कलाकारों से लेकर मेहनती क्रू तक, जिनमें से हर एक ने दर्शकों के लिए इस अद्भुत फिल्म को बनाने के लिए अपना बेस्ट दिया है, यह फिल्म हम सभी के लिए लेबर ऑफ लव है। इन सबका परिणाम एक जटिल स्टोरीटेलिंग वाली कहानी के रूप में सामने है, जो मानवीय भावनाओं और जिंदगी की कई सीखों से भरी हुई है, जो फिल्म देखने के बाद दर्शकों के जेहन लंबे समय तक बनी रहती है। मुझे इस खूबसूरत से गढ़ी गई कहानी को लेकर देश और दुनिया भर के दर्शकों की प्रतिक्रियाओं का बेसब्री से इंतजार है।'

दर्शन रावल ने फेस्टिव सीजन की शुरुआत वरीना हुसैन स्टारर ढोलबाजा के साथ की

कमरिया और चोगड़ा की सफलता के बाद, दर्शन रावल ने सोनी म्यूजिक इंडिया के साथ मिलकर - फेस्टिव सीजन धमाका, ढोलबाजा रिलीज किया। यह गाना पॉप बीट्स, बॉलीवुड ग्लैमर और हाई एनर्जी डांस का एक जोशीला मिश्रण है। सिनेमैटिक म्यूजिक वीडियो एक रंग बिरंगे कॉलेज की बैकग्राउंड में शूट किया गया है जो एक शानदार सेट में बदल जाता है। इस गाने में 100 से अधिक डांसर्स के साथ खूबसूरत एक्ट्रेस वरीना हुसैन कुछ हाई एनर्जी मूव्स करती हुई दिखेंगी।

जावेद मोहसिन कंपोज्ड ट्रैक को दानिश साबरी ने लिखा है और दर्शन रावल और प्रकृति गिरी ने इसे अपने सुरों से सजाया है। चर्चित कोरियोग्राफर आदिल शेख ने म्यूजिक वीडियो का निर्देशन और कोरियोग्राफ किया है। अपने फैंस के प्रति प्यार जताते हुए दर्शन रावल भी इस एनर्जेटिक बीट्स पर थिरकते हुए नज़र आते हैं।

गाने के बारे में बात करते हुए दर्शन रावल ने कहा, "नवरात्रि मेरे पसंदीदा त्योहारों में से एक है। यह हमारे देश में फेस्टिव सीज़न की शुरुआत माना जाता है। त्योहारों के मौसम के लिए अपने संगीत को दर्शकों के साथ साझा करना खुश किस्मती की बात है। जावेद - मोहसिन के खूबसूरत कंपोजिशन और दानिश के दिल को छू जाने वाले गीतों के साथ, ढोलबाजा एक डांस फेस्टिव नंबर है जो सभी को मंत्रमुग्ध कर देगा। माई ब्लू फैमिली ने हमेशा मेरे गानों को सपोर्ट किया है और सफल बनाया है। इस बार उनके लिए मेरे पास एक स्पेशल सरप्राइज है। उम्मीद है कि वे इसको पसंद करेंगे!"

एक्ट्रेस वरीना हुसैन ने कहा, "दर्शन के साथ इस गाने को फिल्माना कमाल का अनुभव रहा है। ढोलबाजा मेरे पसंदीदा डांस ट्रैक्स में से एक बन गया है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी इसे उतना ही पसंद करेंगे, जितना मैंने किया है!"

सलमान ने जैन मुनि आचार्य विजय हंसरत्नसुर के 180 दिनों के उपवास के पूरा होने पर की मुलाकात

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की इमेज हमेशा ही एक दिलदार इंसान की रही हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि वो इंसानियत को समर्थन करने का एक मौका नहीं छोड़ते हैं। सलमान खान की दरियादिली के अब तक कई उदाहरण भी देखने को मिले हैं। हाल में सलमान खान ने जैन संत आचार्य विजय हंसरत्नसुर से उनके 180 दिनों के उपवास के बाद मिलने पहुंचे।

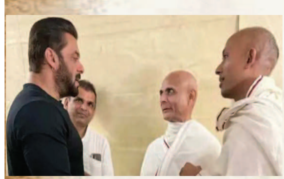

आचार्य विजय हंसरत्नसुरी एक जाने माने जैन आचार्य जी हैं और अब सलमान उनके उपवास के पूरे होने पर उनसे मिलने पहुंचे हैं। दरअसल आचार्य विजय हंसरत्नसुर 180 दिनों के उपवास पर थे और वह भी छठी बार। यही वजह है जो सलमान आचार्य जी से मिलने के लिए मजबूर हो गए। उनके फॉलोअर्स का कहना हैं कि इस दौरान सलमान खान को संत ने जैन धर्म के विभिन्न पहलुओं और प्रथाओं के बारे में भी बताया। इसके अलावा, उन्होंने यह भी साझा किया कि कई और लोकप्रिय हस्तियां भी आशीर्वाद लेने के लिए आचार्य विजय हंसरत्नसुरी के पास आती रहती हैं। इसके अलावा, रिपोर्ट्स के अनुसार, आचार्य विजय हंसरत्नसुरी ने रविवार से अपने 180 दिनों के निरंतर उपवास को खत्म कर दिया हैं, और इसके साथ ही वह एकमात्र जैन संत बन गए जिन्होंने इस लंबे उपवास को पूरा किया हैं। उनके फॉलअर्स के मुताबिक, एक संत के रूप में अपने जीवन के पिछले दो दशकों में, आचार्य हंसरत्नसुरी ने कुल 12 साल उपवास किया हैं।

बॉलीवुड से टॉलीवुड पहुंचा इवोकस ब्लैक वाटर

ब्लैक वाटर आज भारत में बी-टाउन में सबसे लोकप्रिय फैंसी रुझानों में से एक है। त्वचा को चमकदार और स्वस्थ रखने का सबसे सरल लेकिन सबसे प्रभावी तरीका हाइड्रेशन है और ब्लैक वाटर मिनरल्स और एल्कलाइन की शक्ति के साथ त्वचा की जरूरत की हर चीज प्राप्त करने के लिए एकदम सही है। महामारी के बाद लोग टोंड काया और फिटनेस के बारे में अधिक जागरूक हुए हैं जिससे पोषक तत्वों की सेवन की आदत बढ़ी है। ग्लैमरस लुक के साथ फिट और स्वस्थ जीवन शैली की बात करें तो बॉलीवुड सितारे ड्राइविंग सीट पर हैं। अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद, वे अपने लिए बीच का रास्ता ढूंढते हैं और हम में से अधिकांश के लिए प्रेरणा हैं।

वे अपनी शारीरिक बनावट के बारे में बहुत सचेत हैं और अपने आहार और पानी पीने के साथ भी अतिरिक्त प्रयास करते हैं। हाल ही में साउथ एक्ट्रेस काजल अग्रवाल और फिल्ममेकर करण जौहर को भी अल्कलाइन पानी की बोतल के साथ स्पॉट किया गया। इस अनोखे ब्लैक एल्कलाइन वाटर ब्रांड को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी काफी सराहा गया है और अब बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी धूम मचा रहा है। साउथ की फिल्म इंडस्ट्री अपनी मसाला फिल्मों और अपनी संस्कृति, कंटेंट, ड्रामा, कॉमेडी और अपने अनुशासित स्वास्थ्य संज्ञान के लिए जाना जाता है, और यहां तक कि दिनेश कार्तिक, श्रुति हसन जैसे सितारों ने भी ब्लैक वाटर की तरफ स्विच किया है।

ब्लैक अल्कलाइन वाटर लेबल का फेमस ब्रांड %इवोकस% में अतिरिक्त खनिज, 8+ का पीएच, अल्ट्रा-हाइड्रेटिंग, डिटॉक्सिफाइंग और एंटी-एजिंग गुण शामिल हैं और हार्दिक पांड्या, सूर्य कुमार यादव, धूतीचंद जैसे बड़े भारतीय एथलीटों और कई शीर्ष ओलंपियन के फिटनेस साथी बन गया हैं।। यह पानी अपने लाभों के लिए भी जाना जाता है जैसे लगातार हाइड्रेट रखना, डिटॉक्स करना, बढ़ी हुई प्रतिरक्षा और मेटाबॉलिज्म और जीरो कैलोरी के साथ आंत के अंदर एसिड बनाए रखना।

मलाइका अरोड़ा, करिश्मा कपूर, गौरी खान, रैपर बादशाह, टाइगर श्रॉफ, मनीष मल्होत्रा, तारा सुतारिया, उर्वशी रौतेला, सोनम बाजवा और कई अन्य लोगों को इवोकस ब्लैक अल्कलाइन वॉटर के साथ देखा गया।

तब्बू के साथ एक बार फिर नजर आएंगे अजय देवगन

अजय देवगन इन दिनों साउथ की कैथी की हिंदी रीमेक भोला में बिजी हैं। मुंबई में वह फिल्म का आखिरी शेड्युल पूरा कर रहें हैं। फिल्म से जुड़े सूत्रों ने कहा कि अजय देवगन इसे अगले सात से आठ दिनों में फिल्म कंप्लीट कर लेंगे। मुंबई में आगे भोला का एक डांस नंबर शूट किया जाएगा। फिल्म के ज्यादातर हिस्से की शूटिंग हैदराबाद के रामोजी स्टूडियो के भीतर और उस शहर के बाहरी इलाकों में हुई है। वह इसलिए कि अजय देवगन इसमें एक कैदी के रोल में हैं। वह कैदी शहर के खूंखार गुंडों की टोली से जख्मी पुलिस वालों की मदद करता है। वह कैदी लॉरी चलाने में भी माहिर है। ऐसे में लॉरी का पीछा कर रहे सैकड़ों गुंडों का सीक्वेंस जंगल के इलाकों में शूट हुए हैं। बेशक अजय देवगन के भांजे दानिश गांधी उन्हें असिस्ट कर रहें हैं। वो आगे चल बतौर डायरेक्शन अपनी किस्मत आजमाना चाहते हैं। अजय देवगन की अगले साल के मिड तक चार फिल्मों की लइनअप है। वो थैंकगॉड, दृश्यम2 और मैदान हैं। इनकी रिलीज के मद्देनजर भोला की तारीख तय होगी। बहरहाल, सेट पर मौजूद सूत्रों की मानें तो इस फिल्म के डायरेक्टर अजय देवगन खुद हैं।

चोरी, डकैती, आग से हुई क्षति, मानव निर्मित और प्राकृतिक आपदाओं से हुआ कार का नुकसान, मिलेगा बीमा कवर

मुंबई । कहते हैं कि कब क्या हो जाए, इसका कुछ कहा नहीं जा सकता है। बेंगलुरु में आई बाढ़ इसका जीता जागता उदाहरण है। जहां कई लोगों की जान चली गई और कई वाहन पानी में बह गए। इसके बाद आप के मन में सवाल उठ रहा होगा कि वाहनों के बाढ़ में बहने पर इंश्योरेंस का फायदा मिलेगा? इसका जवाब है हां जरूर मिलेगा। पहले जहां प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान की भरपाई करने के नाम से इंश्योरेंस कंपनियां हाथ खड़े कर लेती थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं है। आईआरडीए के नए नियम आने के बाद कंपनियों को नुकसान की भरपाई करनी ही पड़ती है। बाजार में वाहन के लिए दो तरह के इंश्योरेंस उपलब्ध हैं। इसमें पहला कंप्रिहेंसिव इंश्योरेंस और दूसरा थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस पॉलिसी है। दोनों ही इंश्योरेंस की अपनी अलग-अलग खासियत है। प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से भरपाई के लिए कंप्रिहेंसिव इंश्योरेंस पॉलिसी लेनी चाहिए। इसमें थर्ड-पार्टी इंश्योरेंस की तुलना में अधिक कवरेज मिलता है। जैसे, चोरी, डकैती, आग से होने वाली क्षति, मानव निर्मित और प्राकृतिक आपदाओं का कवर मिलता है। कंप्रिहेंसिव इंश्योरेंस के तहत ग्राहक को वाहन चोरी या फिर अन्य आपदाओं का कवर मिलने के अलावा खुद की गलती की भी भरपाई मिल सकती है। इसका मतलब ये हुआ कि अगर आप से वाहन को नुकसान होता है, तब इस पॉलिसी में भी आपको कवर मिलता है। इस इंश्योरेंस के तहत किसी जानवर से होने वाले हानि का भी कंपनी की ओर से मुआवजा दिया जाता है।

एयर इंडिया घरेलू बाजार में बढ़ाएगा 30 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने कहा है कि वह अगले 5 वर्षों में घरेलू बाजार में अपनी हिस्सेदारी को 30 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ाएगा। वहीं मौजूदा समय में कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर अच्छी वृद्धि की है। एयर इंडिया ने अगले पांच वर्षों के लिए एक योजना तैयार की है जिसे विहान.एआई नाम दिया गया है। इसमें कुछ अहम लक्ष्य तय किए गए हैं जिन्हें आने वाले समय में कंपनी को हासिल करना है। एयर इंडिया जल्द ही लगभग 200 छोटे ,320 नियो जेट और बड़े एयरक्राफ्ट का ऑर्डर देने की तैयारी कर ही है जिनकी आपूर्ति अगले वित्त वर्ष की शुरुआत तक होने की संभावना है। एयर इंडिया ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वह इस दिसंबर तक अपने बेड़े में 30 नए विमान जोड़ेगी। इनमें 5 बड़े बोइंग प्लेन शामिल हैं ताकि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर आवाजाही को बढ़ाया जा सके। टाटा समूह एयर इंडिया में नए निवेश के लिए 4 अरब डॉलर जुटाने की भी योजना बना रहा है वहीं इस कंपनी की इस 5 वर्षीय योजना में कस्टमर सर्विस, टेक्नोलॉजी, प्रॉडक्ट, विश्वसनीयता और अतिथि सत्कार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

जर्मनी ने रोजनेफ्ट की अनुषंगी का नियंत्रण अपने हाथों में लिया

बर्लिन । जर्मनी की सरकार ने कहा कि वह रूस की तेल कंपनी रोजनेफ्ट की यहां स्थित अनुषंगी का नियंत्रण अपने हाथों में ले रही है। सरकार ने कहा कि देश की तीन तेल रिफायनरी में परिचालन सुनिश्चित करने के लिए ऐसा करना जरूरी है। आर्थिक मामलों के मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि रोजनेफ्ट डॉयचलैंड, एरअएन रिफायनिंग एंड मार्केटिंग का नियंत्रण जर्मनी की संघीय नेटवर्क एजेंसी को सौंपा गया है। इसमें बताया गया कि एजेंसी तीन रिफायनरी पीसीके शॉवेट, माइरो और बायेरनॉइल में कंपनियों के शेयर पर भी नियंत्रण रखेगी। मंत्रालय ने कहा कि जर्मनी की तेल शोधन क्षमता में 12 फीसदी हिस्सेदारी रोजनेफ्ट की है और इस कदम से निरंतर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित होगी। उसने कहा कि यह व्यवस्था छह महीने के लिए की गई है।

शेयर बाजार 1,093 अंक टूटकर बंद हुआ

निफ्टी भी 347 अंक फिसला

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार में शुक्रवार को भारी गिरावट दर्ज की गयी। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों में मंदी की आशंका और विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारी बिकवाली से बाजार गिरा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,093.22 अंक करीब 1.82 फीसदी नीचे आकर 58,840.79 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 346.55 अंक तकरीबन 1.94 फीसदी फिसलकर 17,530.85 अंक पर बंद हुआ।

वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था

कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर सबसे अधिक चार-चार फीसदी से अधिक गिरे जबकि इन्फोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, विप्रो, टीसीएस, नेस्ले और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी प्रमुख रूप से घाटे में रहे जबकि दूसरी ओर इंडसइंड बैंक का शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आया है। वहीं एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कंपोजिट भी नुकसान में रहे। इसके अलावा यूरोप के

ज्यादातर बाजार गिरावट पर थे। इससे पहले गुरुवार को अमेरिकी बाजार भी नुकसान पर बंद हुए। दूसरी ओर अंतराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.32 फीसदी बढ़कर 91.13 डॉलर प्रति बैरल पर पंहुच गया।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। विदेशी बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही डॉलर के मजबूत होने के कारण अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया सात पैसे की गिरावट के साथ ही 79.78 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 79.80 पर खुला। दिन के कारोबार में यह 79.71 और 79.85 के दायरे में घूमने के बाद अंत में डॉलर के मुकाबले सात पैसे की गिरावट के साथ ही 79.78 पर बंद हुआ। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 79.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.29 फीसदी बढ़कर 110.05 पर पहुंच गया।

अडानी समूह ने अंबुजा और एसीसी सीमेंट में होल्सिम की पूरी हिस्सेदारी खरीदी

मुंबई । अडानी ग्रुप ने अंबुजा सीमेंट और एसीसी में होल्सिम की पूरी हिस्सेदारी खरीद ली है। इसके बाद होल्सिम ने भारत से अपना कारोबार समेट लिया है। यह डील करीब 6.4 अरब डॉलर में हुई है। वहीं डील से होल्सिम की बैलेंस शीट मजबूत होगी और कंपनी को सॉल्यूशंस एंड प्रॉडक्ट्स में स्विस फ्रैंक के 5 बिलियन से अधिक के हालिया निवेश को लेकर अपनी अधिग्रहण रणनीति को जारी रखने में मदद मिलेगी। होल्सिम के अधिकारी के अनुसार, यह विनिवेश बड़े परिवर्तन और वैश्विक स्तर पर उभरने के लिए कंपनी के द्वारा उठाया गया एक और कदम है। इस ट्रांजेक्शन में अंबुजा सीमेंट में होलसिम की संपूर्ण 63.11 प्रतिशत हिस्सेदारी शामिल है, जिसमें से एसीसी में 50.05 फीसदी स्टेक है, साथ ही एसीसी में इसकी 4.48 प्रतिशत की प्रत्यक्ष हिस्सेदारी भी शामिल है। अडानी ग्रुप ने अंबुजा सीमेंट में 385 रुपये के शेयर मूल्य पर और एसीसी में 2,300 रुपये के शेयर मूल्य पर हिस्सेदारी खरीदी है। इसके पहले अडानी ग्रुप ने इन दोनों कंपनियों में हिस्सेदारी खरीदने के लिए 31 हजार करोड़ का ओपन ऑफर पेश किया था। यह ओपन ऑफर पिछले शुक्रवार को बंद हुआ था और शेयरधारकों की ओर से इस पर काफी कम प्रतिक्रिया देखने को मिली। बता दें कि दोनों कंपनियां मिलकर सालाना 7 करोड़ टन सीमेंट बनाती हैं। इन दोनों कंपनियों के देशभर में 23 सीमेंट प्लाट्स, 14 ग्राइंडिंग स्टेशन, 80 रेडी-मिक्स क्रांकीट प्लांट्स और 50 हजार से ज्यादा चैनल पार्टनर्स हैं। अडानी समूह और देश के इंफ्रास्ट्रक्चर व बिल्डिंग मैटेरियल इंडस्ट्री का यह अब तक का सबसे बड़ा अधिग्रहण है। अडानी ग्रुप ने पिछले साल अडानी सीमेंट इंडस्ट्रीज के नाम से सीमेंट सेक्टर में दाखिल हुआ था। इस डील के बाद अडानी ग्रुप भारत का दूसरा सबसे बड़ा सीमेंट मेकर बन गया है।

दुनिया के अरबपति नंबर दो बने गौतम अडाणी

- अडानी की दौलत 5.5 अरब डॉलर बढ़कर 155.7 अरब डॉलर पहुंची

नई दिल्ली ।

अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी दुनिया के दूसरे सबसे बड़े अमीर व्ये क्ति बन गए हैं। फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर इंडेक्स में गौतम अडानी ने यह स्थान बर्नार्ड अर्नॉल्ट को पछाड़कर प्राप्त किया है। हालांकि ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में अभी वह तीसरे स्थान पर ही हैं। शुक्रवार दोपहर तक अडानी की दौलत में कुल 5.5 अरब डॉलर का इजाफा हो चुका था। अब वह 155.7 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अरबपति नंबर दो हो गए हैं। उनके ऊपर यानी नंबर एक पोजीशन पर एलन मस्क हैं, जिनके पास 273.5 अरब डॉलर की संपत्ति है। अडानी के बाद तीसरे नंबर पर बर्नार्ड अर्नाल्ट 155.2 अरब डॉलर के नेटवर्थ के साथ तीसरे नंबर पर हैं। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी इस सूची में 92.6 अरब डॉलर के साथ आठवें नंबर पर हैं। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को गिरावट आई लेकिन इस गिरावट के बावजूद अडानी ग्रुप की कंपनियों में भारी तेजी देखने को मिली। अडानी ग्रुप की सातों लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में तेजी आई। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में सबसे अधिक 4.97 फीसदी तेजी आई। अडानी ट्रांसमिशन में 3.27 फीसदी, अडानी टोटल गैस में 1.14 फीसदी, अडानी ग्रीन एनर्जी में 2.00 फीसदी, अडानी पोर्ट्स में 2.21 फीसदी, अडानी पावर में 3.45 फीसदी और अडानी विल्मर

में 3.03 फीसदी तेजी आई। सूची के मुताबिक गुरुवार को अडानी की नेटवर्थ में पांच अरब डॉलर का इजाफा हुआ। जबकि आरनॉल्ट की नेटवर्थ में 3.1 अरब डॉलर और बेजोस की नेटवर्थ में 2.3 अरब डॉलर की कमी आई। इस बीच उनकी नेटवर्थ 149 अरब डॉलर पहुंच गई है। इस साल अडानी की नेटवर्थ में 72.4 अरब डॉलर की तेजी आई है। अडानी ग्रुप के कुछ शेयरों में अप्रैल 2020 से 1000 फीसदी तक तेजी आई है। इसकी बदौलत अडानी की नेटवर्थ काफी तेजी से बढ़ी है।

बाबा का दावा, पंतजलि पांच लाख लोगों को दे रहा रोजगार

पांच को और देगा

नई दिल्ली ।

योग गुरू बाबा रामदेव की कंपनियों का ग्रुप इनदिनों पांच लाख लोगों को रोजगार दे रहा है। आने वाले कुछ वर्षों में यह पांच लाख और लोगों को रोजगार देगा। यह दावा है बाबा रामदेव ने किया। उनका कहना है कि उनकी कंपनियों का टर्नओवर वर्तमान में 40 हजार करोड़ रुपये तक पहंच गया है। अगले पांच से सात साल में यह एक लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। योग गुरू ने बताया कि पांच-सात साल पहले जब उन्होंने दावा किया था कि उनका टर्नओवर 25 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचेगा, तब लोग हंसते थे। आज उन्होंने दिखा दिया कि 25 हजार करोड़ रुपये ही नहीं 40 हजार करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बाबा रामदेव ने बताया कि वह भारतीय शिक्षा बोर्ड से एक लाख स्कूलों को एफिलिएट करने वाले हैं। इससे काफी रोजगार के अवसर निकलने वाले हैं। इसके अलावा देश और दुनिया में एक लाख पतंजली वेलनेस सेंटर भी खोले जाएंगे। इसमें भी काफी लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने बताया कि पतंजलि ग्रुप की अभी एक कंपनी शेयर बाजारों में लिस्टेड है। अगले कुछ वर्षों में चार और कंपनियों को वहां लिस्ट कराया जाएगा। इन कंपनियों में पतंजलि आयुर्वेद, पतंजलि मेडिसीन, पतंजली लाइफस्टाइल और पतंजलि वेलनेस शामिल है। बाबा ने बताया

कि पतंजली देश में खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता पाने की दिशा में काम कर रहा है।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल एडिबल ऑयल मिशन के तह 11,044 करोड़ रुपये की सब्सिडी योजना की भी घोषणा की है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए पतंजली फूड्स 11 राज्यों के 55 जिलों में 15 लाख एकड़ से अधिक जमीन में पॉम प्लांटेशन की योजना को कार्य रूप दे रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में पतंजली फूड्स पॉम प्लांटेशन में देश की सबसे बड़ी कंपनी होगी।

गोदरेज प्रॉपर्टीज को दो नई परियोजनाओं के लिए मिली 1,210 करोड़ रुपये की बुकिंग

मुंबई । गोदरेज प्रॉपर्टीज ने कहा कि मुंबई में दो नई आवासीय परियोजनाओं के लिए उसे 1,210 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग मिली है। कंपनी ने बताया कि उसने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में दो नई परियोजनाएं शुरू की हैं जिसमें से एक 'गोदरेज असेन्ड' ठाणे में है और दूसरी 'गोदरेज हराइजन' दादर स्थित है। कंपनी ने दोनों परियोजनाओं को मिलाकर कुल 700 से ज्यादा घर बेचे हैं, जिनका क्षेत्रफल 8.08 लाख वर्गफुट से अधिक है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी मोहित मल्होत्रा ने कहा, मुंबई हमारे लिए हमेशा से एक महत्वपूर्ण बाजार रहा है और ग्राहकों का भरोसा यह दिखाता है कि विश्वसनीय डेवलपरों द्वारा टिकाऊ और समेकित विकास की मांग बढ़ रही है।'' कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में 10,000 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग का लक्ष्य रखा है, 2021-22 में यह 7,861 करोड़ रुपये रही थी। अप्रैल-जून 2022 के दौरान उसकी बिक्री बुकिंग पांच गुना बढ़कर 2,520 करोड़ रुपये रही है जो किसी भी पहली तिमाही में सर्वाधिक है। गोदरेज प्रॉपर्टीज की चालू वित्त वर्ष में करीब 20 आवासीय परियोजनाएं शुरू करने की योजना है, जिसमें नई परियोजनाओं के साथ-साथ मौजूदा परियोजनाओं के नए चरण शामिल हैं। वह 2022-23 में एक करोड़ वर्गफुट क्षेत्र की आपूर्ति करने का लक्ष्य लेकर चल रही है, 2021-22 में उसने 65 लाख वर्गफुट की आपूर्ति की थी।

सरकार ने छोटी कंपनी की परिभाषा में किया बदलाव

- अब दायरे में आ सकेंगी कई और कंपनियां

नई दिल्ली ।

सरकार ने छोटी कंपनियों की पे रिभाषा में कुछ बदलाव किया है जिससे अबअब कई और कंपे नियां इसके दायरे में आ सकेंगी और उनका अनुपालन बोझ कम हो जाएगा। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने कारोबार करने में सुगमता को और बढ़ावा देने के उद्देश्य से छोटी कंपनियों की परिभाषा में फिर से बदलाव किया है। कुछ नियमों में संशोधन करते हुए छोटी कंपनियों के लिए चुकता पूंजी की सीमा को मौजूदा दो करोड़ रुपए से अधिक नहीं से बढ़ाकर चार करोड़ रुपए से अधिक नहीं कर दिया गया; तथा कारोबार को 20 करोड़ रुपए से अधिक नहीं से बदलकर 40 करोड़ रुपए से अधिक नहीं कर दिया गया है। मंत्रालय के मुताबिक छोटी कंपनियों को वित्तीय लेखा-जोखा के अंग के रूप में नकदी प्रवाह का लेखा-जोखा तैयार करने की जरूरत नहीं होती है। उन्हें लेखा परीक्षक के अनिवार्य रोटेशन की जरूरत भी नहीं होती है। विज्ञप्ति के मुताबिक छोटी कंपनी के लेखा-परीक्षक के लिए जरूरी नहीं रहा कि वह आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के औचित्य पर रिपोर्ट तथा अपनी रिपोर्ट में वित्तीय नियंत्रण की संचालन क्षमता प्रस्तुत करे। इसके अलावा इस श्रेणी की कंपनियों के निदेशक मंडल की बैठक वर्ष में केवल दो बार की जा सकती है। छोटी कंपनी श्रेणी की इकाइयों को मिलने वाले अन्य लाभ यह हैं कि कंपनी के वार्षिक रिटर्न पर कंपनी सेक्रेटरी हस्ताक्षर कर सकता है या कंपनी सेक्रेटरी के न होने पर कंपनी का निदेशक हस्ताक्षर कर सकता है। इसके अलावा छोटी कंपनियों के लिए जुर्माना राशि भी कम होती है। हाल के समय में सरकार ने व्यापार सुगमता को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय किए हैं। इनमें कंपनी अधिनियम, 2013 और सीमित देयता भागीदारी अधिनियम, 2008 के विभिन्न प्रावधानों को अपराध के वर्ग से निकालना शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री पुरी बोले- महाराष्ट्र में ठप पड़ी रिफाइनरी परियोजना नए सिरे से शुरू करने पर चल रहा विचार

मुंबई ।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को कहा कि महाराष्ट्र में ठप पड़ी वेस्ट कोस्ट रिफाइनरी परियोजना को शुरू करने पर विचार चल रहा है। यहां उद्योग के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य या निवेशकों की ओर से उन्हें इस बारे में अभी कोई ठोस प्रस्ताव नहीं मिला है। पुरी ने बाद में संवाददाताओं से कहा, 'हमने सभी को ऐसे संकेत भेजे हैं और उन पर अब तक मिली प्रतिक्रिया अच्छी है। छह करोड़ टन सालाना क्षमता वाली परियोजना महाराष्ट्र में कहीं भी लगाई जा सकती है, इसे पश्चिमी तट के किसी राज्य में, किसी दक्षिणी राज्य में भी लगाया जा सकता है। जरूरी नहीं की इसे रत्नागिरी में ही लगाया जाए।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम इसे विभाजित कर दो या अधिक स्थानों पर स्थापित करने के बारे में भी सोच रहे हैं लेकिन तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की परियोजना यदि एक ही स्थान पर रहे जहां मूल रूप से इसे बनना था तो यह सबसे अच्छा होगा।'

दरअसल स्थानीय लोगों के विरोध के बाद परियोजना ठंडे बस्ते में डाल दी गई थी। इस परियोजना को तीन राष्ट्रीय तेल कंपनियों- इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल ने संयुक्त रूप से शुरू किया था। दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी सऊदी अरब की अमारको और संयुक्त अरब अमीरात की एडनॉक परियोजना में हिस्सेदारी हासिल लेने को इच्छुक थी।

रूस को पछाड़ कर सऊदी अरब भारत का दूसरा बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बना

- भारत ने अगस्त में सऊदी अरब से 8,63,950 बैरल प्रति दिन (बीपीडी) तेल खरीदा

मुंबई ।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता है। साथ ही वह अपनी जरूरत का ज्यादातर तेल विदेशों से लेता आ रहा है। अब रूस को पछाड़कर सऊदी अरब भारत का दूसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता देश बन गया है। रूस ने 3 महीने पहले सऊदी को पछाड़ दिया था, लेकिन अब वह मामूली अंतर से नीचे आकर तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। पहले स्थान की बात करें तो भारत ने अगस्त में ईरान से सर्वाधिक तेल खरीदा है। भारत ने अगस्त माह में सऊदी अरब से 8,63,950 बैरल प्रति दिन (बीपीडी) तेल खरीदा है। यह मात्रा जुलाई की तुलना में 4.8 प्रतिशत ज्यादा है। रूस से रोजाना 8,55,950 बीपीडी तेल आयात हुआ है, जो जुलाई की तुलना में 2.4 प्रतिशत कम है। सऊदी से आ रहे ज्यादा तेल के बावजूद भारत का पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (ओपेक) देशों से तेल निर्यात कम होकर 59.8 प्रतिशत हो गया है, जो 16 सालों में सबसे कम है। गौरतलब है कि चीन के बाद रूस से भारत सबसे ज्यादा तेल की खरीदारी करता है। दरअसल, यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद कई पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए थे। ऐसे में रूस ने अपनी अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए कम दाम पर तेल और दूसरे कच्चे माल की पेशकश की थी। इसके बाद से भारत ने रूस से तेल का आयात बढ़ा दिया था और जून माह में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद इसमें कमी आ गई है। तेल के बाजार पर नजर रखने वाली एक कंपनी के अनुसार भारत समझौते के तहत सऊदी अरब से तेल की आपूर्ति बंद नहीं कर सकता है। साथ ही रूस भी एशिया की मांग में तेजी को देखते हुए अपनी छूट कम कर रहा है।

कम कीमत में सबसे ज्यादा कच्चे तेल का आयात रूस से

दूसरी तिमाही में 84.2 लाख टन कच्चे तेल का आयात

नई दिल्ली ।

भारत ने पहली बार रूस से 84.2 लाख टन कच्चे तेल का आयात किया है।भारत ने जो कच्चा तेल आयात किया है। उसमें 30 डॉलर प्रति बैरल का डिस्काउंट भी प्राप्त किया है। 1 टन कच्चे तेल की कीमत 790 डॉलर थी, दूसरी तिमाही में घटकर 740 डॉलर प्रति टन की कीमत पर कच्चे तेल का आयात हुआ। जिससे भारतीय कंपनियों को 3500 करोड़ का फायदा हुआ है।

रूस से कच्चे तेल का आयात 10 गुना ज्यादा बढ़ गया है। अभी यह कारोबार 11.5 अरब डालर पर पहुंच गया है। इस साल के अंत तक 13.6 अरब डालर तक कच्चे तेल का आयात होने की संभावना है।

कंपनियों को लाभ- उपभोक्ताओं को नुकसान

भारतीय कंपनियां रूस से कच्चे तेल का आयात बहुत कम कीमत पर कर रही हैं। लेकिन इसका लाभ भारतीय उपभोक्ताओं को प्राप्त नहीं हो रहा है। तेल आयात करने के काम में निजी कंपनियां लगी हुई हैं। निजी कंपनियां कच्चा तेल आयात कर अन्य देशों में निर्यात कर रही हैं। भारतीय उपभोक्ताओं

को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। जिसको लेकर लंबे समय से सरकार और निजी कंपनियों की आलोचना भी हो रही है।

टी20 सीरीज से बाहर हो सकते बटलर

लंदन । मांसपेशियों में खिंचाव के कारण इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान जोस बटलर पाकिस्तान के खिलाफ 20 सितंबर से शुरू हो रही सात मैचों की टी20 सीरीज में शायद ही खेलें। बटलर का बाहर होना टीम के लिए करार झटका है क्योंकि इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) अगले माह ऑस्ट्रेलिया में शुरु हो रहे टी20 विश्व कप से पहले उन्हें फिट चाहता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बल्लेबाज को उनकी मेडिकल टीम ने धीरे-धीरे चीजों को लेने की सलाह दी थी, जिसका अर्थ है कि बटलर की जगह कोई और खिलाड़ी कराची में चार टी20 मैचों के लिए टीम का नेतृत्व करेगा। वहीं बटलर ने कहा है कि वह डॉक्टरी सलाह के बाद अंतिम दो मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वह पाक के दौरे पर इसलिए गये हैं ताकि नये कोच मैथ्यू मॉट के साथ तालमेल बढ़ सके। बटलर के अनुसार यह एक ऐसी चोट है जो खराब नहीं है पर इसके दोबारा लगने का खतरा है। साथ ही कहा कि हमारे पास ऑस्ट्रेलिया में (टी 20 विश्व कप से पहले) अभ्यास मैच हैं, इसलिए फिटनेस जांचने में समस्या नहीं होगी। वहीं कप्तान के रूप में लंबे समय के बाद पा वापस आना अहम रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में जडेजा का विकल्प तलाशेगी भारतीय टीम

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप से पहले ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज में ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा का विकल्प तलाशने का प्रयास करेगी। जडेजा एशिया कप में चोटिल होने के बाद से ही टी20 विश्वकप से भी बाहर हो गये हैं क्योंकि उनकी सर्जरी हुई है। ऐसे में उनके विकल्प के तौर पर अक्षर पटेल को शामिल किया गया है।

जडेजा स्पिनर होने के साथ भी एक आक्रामक बल्लेबाज ओर बेहतरीन क्षेत्ररक्षक भी हैं। ऐसे में उनका बाहर होना टीम के लिए करार झटका है। जडेजा ने पिछले कुछ समय में जरुरत पड़ने पर बड़ी पारियां खेली हैं। ऐसे में किसी भी खिलाड़ी के लिए उनकी कमी पूरी करना आसान नहीं रहेगा। अक्षर के अलावा भी कई खिलाड़ी हैं, जिन्हें जडेजा के विकल्प के तौर पर टी20 विश्व कप के दल में रखा गया है। अब इनमें से कौन सा खिलाड़ी, टी20 विश्व कप के दौरान भारतीय टीम के अंतिम ग्यारह का हिस्सा बनता है। इसका पता ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली घरेलू टी20 सीरीज में प्रदर्शन के आधार पर होगा। जडेजा इसलिए भारतीय टीम के लिए अहम हैं क्योंकि वह अपनी गेंदबाजी के अलावा बल्लेबाजी और फील्डिंग से भी कियी भी मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। जडेजा ने सितंबर 2020 से अब तक गल दो साल में 15 टी20 में 56.80 की औसत से 284 रन बनाए हैं। इसमें उनका स्ट्राइक रेट भी 140 से ऊपर का है। इस अवधि में जडेजा ने चार बार 30 से अधिक रन बनाये हैं। इसमें से तीन अवसरों पर वह नाबाद रहे हैं। इस प्रकार टीम के लिए मैच फिनिशर भी रहे हैं। इसी अवधि में जडेजा ने 15 मैच में 6.84 की इकोनॉमी रेट से 12 विकेट लिए हैं। ऐसे में उनका न होने से गेंदबाजी पर भी असर पड़ेगा। अक्षर को जडेजा के चोटिल होने के कारण ही टी20 विश्व कप के स्क्वॉड में शामिल किया गया है। वो भी जडेजा की तरह ही स्पिन गेंदबाजी करते हैं। अक्षर भी नंबर-7 पर उपयोगी खिलाड़ी साबित हो सकते हैं। हालांकि, वो जडेजा की तरह ऐसे बल्लेबाज नहीं हैं, जिन्हें शीर्ष क्रम पर भेजा जा सकता हो। वह निचले क्रम पर ही बल्लेबाजी कर सकते हैं। ऐसे में अगर उन्हें अंतिम ग्यारह में मौका दिया जाता है, तो इससे गेंदबाजी तो मजबूत हो जाएगी। कम से कम छठे गेंदबाज के रूप में एक बेहतर विकल्प मिल जाएगा पर बल्लेबाजी में गहराई नहीं रहेगी। अक्षर ने इस साल 11 टी20 खेले हैं और इसमें से 5 में बल्लेबाजी नहीं की। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 20 रन है। जो बेहद सामान्य है। वहीं दीपक हुडा को भी टी20 विश्व कप के साथ ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टी20 की सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। हुडा भी नंबर-7 पर भारत के लिए अहम खिलाड़ी साबित हो सकते हैं। वो बल्लेबाजी के साथ-साथ ऑफ स्पिन गेंदबाजी कर लेते हैं। हुडा को अगर अंतिम ग्यारह में शामिल किया जाता है, तो उससे बल्लेबाजी तो जरूर मजबूत होगी पर गेंदबाज नहीं। ऐसे में हार्दिक पंड्या पर अपने कोटे के 4 ओवर डालने का दबाव आ जाएगा। इसी को देखते हुए भारतीय टीम प्रबंधन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में हुडा को अवसर दे सकता है।

17 साल के बाद पाकिस्तान पहुंची इंग्लैंड क्रिकेट टीम करेगी बाढ़ पीड़ितों की सहायता

कराची ।

17 साल के बाद पाकिस्तान दौरे पर पहुंची इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने भीषण बाढ़ पर चिन्ता जताते हुए पीड़ियों की सहायता की घोषणा की है। इंग्लैंड टीम के कप्तान जोस बटलर के अनुसार 7 मैचों की इस टी20 सीरीज से उन लोगों का मनोबल बढ़ेगा जो बाढ़ के कारण निराश में जी रहे हैं। देश में आई विनाशकारी बाढ़ से पीड़ित लोगों को खों लोगों के उत्साह को बढ़ाने में कारगर होगी। इंग्लैंड टीम को अगले सप्ताह से सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की इस सीरीज से अगले माह ऑस्ट्रेलिया में होने वाली टी20 विश्व कप की तैयारियों में सहायता मिलने की उम्मीद है। बटलर ने कहा की अभी पाक के लोगों का मुश्किल समय चल रहा है। वहीं हम भी एक टीम के रूप में उनकी सहायता करना चाहते हैं। खिलाड़ियों के साथ ही इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) भी लोगों की सहायता करेगी। यह जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए हमारा एक छोटा सा प्रयास भर है हालांकि इसके अलावा लोगों को अन्य जगहों से भी सहायता की जरुरत है। उम्मीद है कि हम इस दौरे में रोमांचक

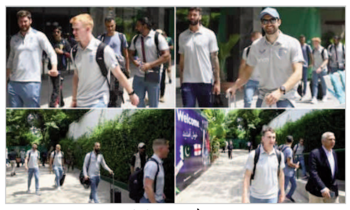

क्रिकेट खेल कर लोगों का हौंसला बढ़ाने में सफल रहेंगे।' गौरतलब है कि बटलर सहित इंग्लैंड के ज्यादातर खिलाड़ी पहली बार पाक का दौरा कर रहे हैं। टीम में वापसी करने वाले एलेक्स हेल्स, मोइन अली और लियाम डॉसन ने पाक सुपर लीग में भी हिस्सा लिया था। वहीं बेन स्टोक्स, क्रिस जॉर्डन और लियाम लिविंगस्टोन इस दौरे से हट गए थे पर ये खिलाड़ी टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा हैं। इंग्लैंड की टीम 20 से 25 सितंबर तक कराची में चार टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलेगी। बाकी के तीन मैच लाहौर में 28 सितंबर से दो अक्टूबर तक खेले जायेंगे। इंग्लैंड क्रिकेट आखिरी बार साल 2005 में इंग्लैंड दौरे पर आई थी।

हालेप की नाक की सर्जरी हुई

वॉशिंगटन । रोमानियाई टेनिस खिलाड़ी सिमोना हालेप के नाक की सर्जरी हुई है। इस सर्जरी कारण अब हालेप इस साल के अंत तक खेल से दर रहेगी। हालेप को सांस लेने में हो रही परेशानी को देखते हुए ही उसकी यह सर्जरी करायी गयी है। इस खिलाड़ी ने ट्विटर पर अपने सर्जरी के सफल होने की जानकारी दी है। . इस रोमानियाई स्टार ने कहा, % मैं कुछ समय से नाक की समस्याओं से जूझ रही थी। गर्मियों के दौरान मेरी स्थिति और खराब हो गई थी। इस समस्या ने मेरे लिए सांस लेना कठिन बना दिया। रात में मुझे और भी दिक्कतें आने लगीं। ऐसे में समस्या को हल करने का एकमात्र तरीका सर्जरी ही था। हालेप ने कहा, %मेरा 2022 का सत्र समाप्त हो गया है। यह मेरे लिए एक शानदार वर्ष रहा है। अब 2023 में कोर्ट पर मुलाकात होगी। मुझे लगता है अभी भी टेनिस कोर्ट पर मैं बहुत कुछ कर सकती हूं और मेरा वही लक्ष्य हैं। वैसे 30 साल की हालेप ने स्वीकार किया कि वह फरवरी में खेल से संन्यास लेने के बारे में सोच रही थीं। गौरतलब है कि विश्व की पूर्व नंबर-1 खिलाड़ी सिमोना हालेप की इससे पहले भी सर्जरी हुई थी। साल 2009 में हालेप ने ब्रेस्ट रिडक्शन सर्जरी कराई थी।

टेनिस लीजेंड Roger Federer लेंगे संन्यास, यह टूर्नामेंट होगा आखिरी

(एजेंसी)

स्विस टेनिस लीजेंड रोजर फेडरर ने खुलासा किया है कि वह लेवर कप 2022 के बाद पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लेंगे। फैडरर ने गुरुवार को अपनी रिटायरमैंट की योजनाओं संबंधी सोशल मीडिया पर एक लंबा नोट साझा किया। उन्होंने लिखा- वर्षों में टेनिस ने मुझे जो भी उपहार दिए हैं वह निस्संदेह वे लोग हैं जिनसे मैं रास्ते में मिला- मेरे दोस्त, मेरे प्रतियोगी और अधिकांश प्रशंसक जो खेल को इसकी विशेषता देते हैं। आज मैं आप सभी के साथ कुछ समाचार साझा करना चाहता हूं। लेवर कप का आगामी संस्करण मेरा अंतिम एटीपी टूर्नामेंट होगा। फेडरर ने पिछले तीन वर्षों में प्रमुख टूर्नामेंटों में जगह बनाने के लिए संघर्ष किया है। अपने ट्रॉफी से भरे करियर में फेडरर ने 24 वर्षों में 1500 से अधिक मैच खेले हैं। मैं 41 साल का हूं। मैंने 24 साल में 1500 से ज्यादा मैच खेले हैं। टेनिस ने मेरे साथ पहले से कहीं अधिक उदारता से व्यवहार किया है, और अब मुझे यह पहचानना होगा कि मेरे प्रतिस्पर्धी करियर को समाप्त करने का समय कब है। अगले हफ्ते लंदन में लेवर कप मेरा अंतिम एटीपी इवेंट होगा। मैं भविष्य में और अधिक टेनिस खेलूंगा, निश्चित रूप से लेकिन ग्रैंड स्लैम या दौरे पर नहीं।

संक्षिप्त समाचार

फिक्सिंग के संदेह में पाक के दो क्रिकेटर

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट में फिक्सिंग का खतरा मंडरा रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के मामले में स्पिनर आसिफ अफरीदी के खेलने पर रोक लगायी है। अब उसके दो और क्रिकेटर भी संदेह के घेरे में हैं। हालांकि ये दोनों खिलाड़ी कौन हैं अभी तक यह नहीं पता चला है। अगर ये दोषी पाये गये तो बोर्ड इनपर भी प्रतिबंध लगायेगा। पीसीबी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई के कुछ अधिकारियों को इस मामले की गहन जांच के लिए मुजफराबाद भेजा गया है। अफरीदी बाएं हाथ के स्पिनर हैं। उन्होंने हाल ही में नेशनल टी20 कप में भाग लिया था। पीसीबी ने अपने एक अन्य बयान में लिखा, 'आसिफ को आज पीसीबी के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.4 के तहत दो नियमें के उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किया गया है। उन्हें आरोपों का जवाब देने के लिए 14 दिन की राहत दी गई है।' बोर्ड ने कहा कि उनके खिलाफ जांच चल रही है, इसलिए पीसीबी परिणाम आने तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं करेगा। आसिफ को इस साल पाकिस्तान दौरे पर आई ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए पाकिस्तानी टीम में शामिल किया गया था पर उन्हें उतरने का अवसर नहीं मिला। आसिफ 13 साल से फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेल रहा है। इस अनुभवी स्पिनर ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 35 मुकाबले खेलते हुए 59 पारियों में 25.37 की औसत से 118 विकेट लिए। वहीं बल्लेबाजी करते हुए 62 पारियों में 23.69 की औसत से 1303 रन बनाये हैं।

इंग्लैंड ने टी20 विश्वकप के लिए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को कोचिंग स्टाफ में शामिल किया

लंदन । इंग्लैंड ने अगले माह अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए पूर्व तेज गेंदबाजी कोच डेविड साकेर और पूर्व बल्लेबाज माइकल हसी को अपने कोचिंग स्टाफ में शामिल किया है। इंग्लैंड के इस फैसले से उनकी टीम को लाभ होगा क्योंकि साकेर और हसी ऑस्ट्रेलियाई हालातों के बेहतर जानकार हैं। इसके अलावा टीम के मुख्य कोच मैथ्यू मोट भी ऑस्ट्रेलिया के हैं। साकेर पाकिस्तान के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज से टीम से जुड़ेंगे। वह इससे पहले इंग्लैंड को गेंदबाजी कोच भी रहे थे। उनके कोच रहते इंग्लैंड ने 2010-11 में एशेज सीरीज जीती थी। उनका साल 2015 तक कोच रहे थे। वहीं हसी कई टीमों के कोचिंग दल का हिस्सा रहे हैं। वह ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के अलावा आईपीएल फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स के कोचिंग दल में भी रहे थे। वह बिग बैश लीग की टीम सिडनी थंडर्स के निदेशक भी रहे हैं। हसी अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया आने पर टीम में शामिल होंगे। इंग्लैंड को 22 अक्टूबर को अफगानिस्तान के खिलाफ विश्व कप की शुरुआत से पहले मेजबान देश के खिलाफ तीन टी20 मैच खेलने हैं।हसी और साकेर की जोड़ी बनने से इंग्लैंड की कोचिंग टीम को मजबूती मिली है। वहीं कोच मोट अभी कार्ल हॉपकिंसन और रिचर्ड डॉसन में दो सहायकों के साथ काम कर रहे हैं।

बुमराह ने टी20 विश्वकप के लिए तैयारियां शुरु कीं

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अगले माह अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए तैयारियां शुरु कर दी हैं। बुमराह ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह नेट्स पर गेंदबाजी करते हुए नजर आ रहे हैं। बुमराह इससे पहले चोटिल होने के कारण एशिया कप 2022 में नहीं खेल पाए थे। एशिया कप में भारतीय टीम को उनकी कमी महसूस हुई थी। बुमराह विश्वकप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज से टीम में वापसी करेंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 3 मैचों की टी20 सीरीज 20 सितंबर से शुरु होगी। बुमराह ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर लिखा, ' कड़ी मेहनत करें और आपको वह मिलेगा जो आप चाहते हैं. बीसीसीआई ने हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम की घोषणा की है जिसमें बुमराह वापसी करने में सफल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के अलावा बुमराह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी तीन मैचों की टी20 सीरीज में भी खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया में 16 अक्टूबर से आयोजित होने वाले टी20 विश्व कप से पहले बुमराह के लिए ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलना लाभदायक साबित हो सकता है। इससे उन्हें लय में आने का पूरा अवसर मिलेगा। उनकी वापसी से टीम इंडिया का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होगा।

टी20 विश्व कप के लिए अपनी पसंदीदा टीम में पठान ने कार्तिक को शामिल किया

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने टी20 विश्व कप के लिए अपनी पसंदीदा अंतिम ग्यारह टीम बनायी है। पठान ने कहा मैं अपनी प्लेइंग 11 में ऋषभ पंत की जगह कार्तिक को रखूंगा। पठान के अनुसार उन्होंने कार्तिक को इसलिए रखा है क्योंकि वह फिनिशर की भूमिका बेहतर तरीके से निभाते हैं। अगर आप पहला मैच खेल रहे है तो आपको एक स्पिनर सहित कुछ अनुभवी गेंदबाजों की भी आवश्यकता होगी। उन्होंने साथ ही कहा, मेरी अंतिम 11 में कप्तान रोहित शर्मा, लोकेश राहुल, विराट कोहली (नंबर 3), सूर्यकुमार यादव (नंबर 4), दीपक हुड्डा (नंबर 5), हार्दिक पंड्या (नंबर 6), दिनेश कार्तिक (नंबर 7), नंबर 8 पर लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल, उसके बाद 9 से 11 तक आप जसप्रीत बुमराह, हर्षल पटेल और भुवनेश्वर कुमार को रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि टीम में युवा अर्शदीप सिंह को भी शामिल किया जा साकता है क्योंकि वह डेथ ओवरों में अच्छी गेंदबाजी करते हैं। टी20 विश्व कप की शुरुआत 16 अक्टूबर से

ऑस्ट्रेलिया में होगी। इसमें भारतीय टीम का पहला मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ 23 अक्टूबर को होगा। वहीं भारतीय टीम 17 और 19 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ दो अभ्यास मैच भी खेलेगी।

न्यूजीलैंड के नीशम , टिकर ने केंद्रीय अनुबंध में शामिल होने से इंकार किया

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर जिमी नीशम और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकर ने केन्द्रीय अनुबंध में ठुकरा दिया है। इससे न्यूजीलैंड क्रिकेट को आगामी टी20 विश्व कप से पहले करारा झटका लगा है क्योंकि ये खिलाड़ी टीम में ट्रेंट बोल्ट और कॉलिन डी ग्रैंडहोम के विकल्प माने जाते थे। बोल्ट ने परिवार के साथ अधिक समय बिताने और दुनिया भर में टी20 लीग खेलने को लेकर इस साल की शुरुआत में ही केंद्रीय अनुबंध ठुकरा दिया था। वहीं ग्रैंडहोम ने एडिलेड स्ट्राइकर्स द्वारा बीबीएल ड्राफ्ट में चुने जाने के तुरंत बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इन दोनों ही खिलाड़ियों के टीम से बाहर होने के बाद नीशम से इनमें से एक की कमी को पूरा करने की पेशकश की गई थी पर अंतिम ग्यारह से बाहर होने के बाद पहले ही विभिन्न टी20 टूर्नामेंटों के लिए प्रतिबद्ध होने के कारण उन्होंने इसे ठुकरा दिया। नीशम ने सोशल मीडिया पर लिखा, ' एक केंद्रीय अनुबंध को ठुकराने के मेरे फैसले को इस तरह से देखा जाएगा कि मैंने अपने देश का प्रतिनिधित्व करने की जगह पैसे को अधिक महत्व दिया।' उन्होंने आगे लिखा, 'मैंने जुलाई में अनुबंध प्रस्ताव स्वीकार करने की योजना बनाई थी हालांकि सूची से बाहर होने के बाद से ही मैंने दुनिया भर की अन्य लीगों के लिए अपना नाम दे दिया था।

पाकिस्तान के खिलाफ पूरी टी20 सीरीज से बाहर हो सकते हैं जोस बटलर

लंदन।

इंग्लैंड के सीमित ओवरों के कप्तान जोस बटलर मांसपेशियों में खिंचाव के कारण पाकिस्तान के खिलाफ 20 सितंबर से शुरू हो रही सात मैचों की टी20 सीरीज से बाहर हो सकते हैं। अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के साथ इंग्लैंड के लिए यह श्रृंखला महत्वपूर्ण है और इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) मेगा इवेंट से पहले कप्तान की फिटनेस सुनिश्चित करने के लिए अधिक से अधिक समय देना चाहता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि करिश्माई बल्लेबाज को उनकी मेडिकल टीम ने धीरे-धीरे चीजों को लेने की सलाह दी थी, जिसका मतलब है कि ऑलराउंडर मोइन अली कराची में चार टी20 मैचों के लिए टीम का नेतृत्व करेंगे। 32 वर्षीय बटलर ने गुरुवार को खुलासा किया कि वह चिकित्सकीय सलाह के बाद अंतिम दो मुकाबलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने उपमहाद्वीप के ऐतिहासिक दौरे पर आने का कारण यह बताया कि वह इंग्लैंड के नए सफेद गेंद के कोच मैथ्यू मॉट के साथ अपने रिश्ते को विकसित करना चाहते थे। बटलर के हवाले से कहा गया है, 'फिजियोजिस्टों की बात करें तो यह एक ऐसी चोट है जो खराब नहीं है लेकिन इसके दोबारा होने का खतरा है। हमारे पास ऑस्ट्रेलिया में (टी 20 विश्व कप से पहले) अभ्यास मैच हैं, इसलिए जितना संभव हो उतना फिट होने की कोई सख्त जरूरत नहीं है। कप्तान के रूप में लंबे समय के बाद पाकिस्तान वापस आना यह महत्वपूर्ण है, चाहे मैं खेल खेलूं या नहीं। 2005 के बाद इंग्लैंड का यह पहला पाकिस्तान दौरा है।

अमरीका ने डेविस कप के क्वार्टर फाइनल में जगह लगभग पक्की की

ग्लासगो । टॉमी पॉल और टेलर फ्रिट्ज ने अपने एकल मैचों में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज की जिससे अमरीका ने कजाखस्तान को 2-1 से हराकर डेविस कप फाइनल्स टेनिस प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर दी। अमरीका ग्रुप डी में दो मैच जीतकर शीर्ष पर है और उसका अंतिम आठ में पहुंचना लगभग तय है। पॉल ने मिखाइल कुकुश्किन पर 6-1, 6-4 से आसान जीत दर्ज की। इससे पहले फ्रिट्ज ने अलेक्जेंडर बुब्लिक को तीन सेट में 7-6 (6) 1-6 6-3 से हराया था। बुब्लिक और अलेक्सांद्र नेदोवियसोव ने बाद में युगल मैच में राजीव राम और जैक सॉक को 6-2, 7-6 (6) से पराजित किया। जर्मनी के हैम्बर्ग में खेले गए ग्रुप सी के एक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआती हार से उबरकर फ्रांस को 2-1 से हराया। रिचर्ड गास्केट ने जेसन कुबलर पर 6-2, 6-4 से हराकर फ्रांस को अच्छी शुरुआत दिलाई, लेकिन एलेक्स डी मिनौर ने बेंजामिन बोन्ज़ी पर 6-3, 1-6, 6-4 से जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलिया को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मैथ्यू एबडेन और मैक्स पुरसेल ने निकोलस माहुत और आर्थर रिंडरकनेच को 6-4, 6-4 से हराकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई। ऑस्ट्रेलिया दो जीत से ग्रुप में शीर्ष पर है। अन्य मुकाबलों में सर्बिया ने ग्रुप बी में कोरिया को 2-1 से और क्रोएशिया ने ग्रुप ए में स्वीडन को 2-1 से हराया।

अवैध बांधकाम के भ्रष्टाचार की सियासत से बदल सकती है सरकार

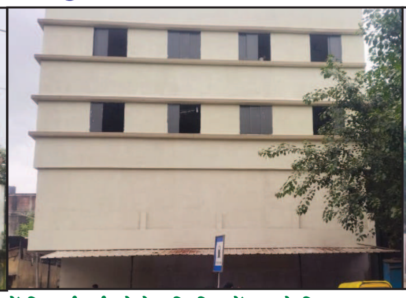

सूरत भूमि , सूरत । शहर के लिंबायत जोन में दिखाई गई फोटो प्रति जिसमें अगले दिन यह बताया गया था कि यह वह बांधकाम है जिसमें वर्षों पहले भारतीय जनता पार्टी के पार्षदों की गुटबाजी के कारण एक महिला पार्षद को इसी बांधकाम में लाखों रुपए के लांच लेने के एवज में शहर की एंटी करप्शन पुलिस ने आरोपी बनाया था। वर्षों से यह बांधकाम ग्राउंड प्लस वन माड़ पर रोक दिया गया था जो आज भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के इशारे पर अधिकारी द्वारा अपनी मजबूरी जताते हुए अवैध बांधकाम को और दो मंजिला ऊपर लेने का छूट दे दिया गया। इस सियासत में स्थानीय पार्षदों का सहयोग होने के कारण अवैध बांधकाम की तरफ अधिकारी नजर भी नहीं उठा सकते। यह भ्रष्टाचार विस्तार के जनता की नजर में छाया हुआ है इससे बढ़कर पीछे की रामराज्य सोसाइटी में जो रिजर्वेशन की जगह थी वहां से रिजर्वेशन भी हटा दिया गया। पूजी पतियों का कितना बड़ा दबदबा है जो जनता की नजर में बैठ गया है और ऐसे भ्रष्टाचार के सामने जनता पूर्ण रूप से मूड बना ली है की अब इस सरकार की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि यह सरकार किसी भी तरह सिर्फ रुपया कमाने में लगी हैं । प्रदेश प्रमुख व राज्य के मुख्यमंत्री शहरी विकास मंत्री तथा तकेदारी आयोग तक जानकारी दी गई है की 25 साल पुरानी बिल्डिंग जो जर्जर हो चुकी है जिस का पुनर्निर्माण कार्य चालू है उस बिल्डिंग में निवास करने वाले लोगों को महानगर पालिका द्वारा ना तो पानी का गटर का लाइट का रोड का किसी भी प्रकार का प्राथमिक सुविधा नहीं दिया गया है । ऐसी स्थिति में सोसाइटी के तमाम लोग सांसद के स्थानीय कार्यालय पर जाकर जानकारी दिए परंतु सुनने में यह आया कि यहा शॉपिंग का बांधकाम किसी शीर्ष नेता के इशारे पर किया गया है इसलिए उसे दूर नहीं किया जा सकता चाहे बिल्डिंग के लोगों को पानी मिले या ना मिले ऐसी स्थिति में जनता पूर्ण रूप से समझ गई है कि सरकार सिर्फ पूंजीपतियों की है गरीब जनता के बारे में इस सरकार को सोचने का मौका ही नहीं है।

क्रेडाई का स्मार्ट सूरत प्रॉपर्टी फेस्ट -2022 शुरू

सूरत भूमि, सूरत। क्रेडाई सूरत की ओर से आयोजित तीन दिवसीय स्मार्ट सूरत प्रॉपर्टी फेस्ट - 2022 का केंद्रीय राज्य मंत्री दर्शना जरदोश ने उद्घाटन किया। फेस्ट के पहले ही दिन 20 हजार से अधिक विजिटर्स फेस्ट में पहुंचे।

रियल एस्टेट को बूस्टर मिले और लोगों को सूरत में निर्माणाधिन रेजिडेंशियल, कमर्शियल, इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट की जानकारी एक ही जगह मिल सके इस उद्देश्य से क्रेडाई सूरत की ओर से 16 से 18 सितंबर तक स्मार्ट सूरत प्रॉपर्टी फेस्ट - 2022 तेजी के डंके का आयोजन किया गया है। शुक्रवार सुबह साढ़े दस बजे केंद्रीय राज्य मंत्री दर्शना जरदोश के हाथों फेस्ट का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर राज्य के केबिनेट मंत्री पूर्णेश मोदी, वीनू मोरडिया, महापौर हेमाली बोघावाला समेत विधायक और मनपा के पदाधिकारी मौजूद थे। प्रॉपर्टी फेस्ट में 200 से अधिक प्रोजेक्ट्स पेश किए गए हैं। आयोजकों ने दावा किया की पहले दिन से फेस्ट को बेहतर प्रतिसाद मिला। 20 हजार से अधिक लोगों में फेस्ट में पहुंचे और विभिन्न प्रोजेक्ट्स की जानकारी ली। इस अवसर पर शहर के विकास को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाले राज्य के शहरी विकास मंत्री वीनू मोरडिया का डेवलपर्स ने सम्मान किया।

सूरत के कुंदन झा को "कन्यादान शिरोमणि सम्मान" से नवाजा गया

सूरत भूमि। बिहार के समस्तीपुर के निवासी स्वर्गीय बालेश्वर झा के पौत्र एवं जवाहर झा के पुत्र कुंदन झा ने एक बार फिर से जिले एवं राज्य का मान बढ़ाया। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में आयोजित सम्मान समारोह में सूरत के लाल को सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु "कन्यादान शिरोमणि सम्मान" से नवाजा गया। यह सम्मान उन्हें मेजर आशीष चतुर्वेदी एवं कन्यादान फाउंडेशन के संस्थापक ऋषि सरदाना के हाथों प्राप्त हुआ। पर्यावरण,रक्तदान,महिला सशक्तिकरण,सामाजिक जागरूकता में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इन्होंने अब तक कई बार रक्तदान किया है एवं लोगों को रक्तदान के लिए जागरूक भी करते है। कुंदन कुमार झा को वर्ष 2021 में युवा गौरव पुरस्कार भी प्राप्त हो चुका है। इसी वर्ष इन्हे राष्ट्रीय प्रेरणा दूत पुरस्कार से भी नवाजा गया है। कोरोना में गरीबों एवं मजदूरों के बीच नियमित रूप से कच्चा राशन ,पका हुआ भोजन,दूध,पानी,सेनिटाइजर एवं मास्क का वितरण किया है। कन्यादान शिरोमणि सम्मान मिलने के पश्चात क्षेत्र में खुशी की लहर दौर उठी है। इस अवसर पर सैकड़ों लोगों ने कुंदन झा को बधाई दिया।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवा परिषद और तेरापंथ युवा परिषद इस भव्य अभियान से जुड़कर बढ़ रहे हैं

सूरत भूमि, सूरत। तेरापंथ युवक परिषद सूरत अध्यक्ष श्री अमित सेठिया ने बेंगलुरु से पधारे एमबीडी राष्ट्रीय स्पोक पर्सन श्री विमल कटारिया, राष्ट्रीय प्रभारी श्री सौरभ पटावरी, गुजरात प्रभारी श्री प्रकाश छाजेड़ तथा पधारे सभी मेहमानों एवं मीडिया के सदस्यों का स्वागत अभिनंदन किया तथा इस संपूर्ण आयोजन में एम बी डी डी टीम का और कार्यकारिणी सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

तेरापंथ युवक परिषद मंत्री श्री अभिनंदन गादिया ने जानकारी दी कि विश्व की सर्वाधिक रक्तदाता संस्था अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद ने अपने युवा उत्साह एवं देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हजारों हजारों युवकों के सकारात्मक सक्रिय सहयोग से देश के नगरों, महानगरों कस्बों तथा सुदूर ग्रामीण अंचलों में फैली 350 से अधिक शाखाओं के बल पर रक्तदान के महा अभियान मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव के माध्यम से आगामी 17 सितंबर 2022 को रक्तदान का नया इतिहास रचने की ओर कदम बढ़ा दिए हैं हमारा लक्ष्य देश और विदेश में प्रवासी भारतीय नागरिकों के माध्यम से लगभग दो हजार रक्तदान शिविरों का आयोजन कर अनुमानित 150000 यूनिट से अधिक रक्तदान करवाना है विशेष उल्लेखनीय है कि न केवल भारत में विदेशों में प्रवासी भारतीय नागरिकों के माध्यम से लगभग 8 देशों में रक्तदान शिविर आयोजित करवाकर गौरवशाली सनातन परंपरा वसुधैव कुटुंबकम की भावना को साकार रूप प्रदान करना है।

आभातेयुप के राष्ट्रीय स्पोक पर्सन श्री विमल कटारिया ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हमने कोविड-19 की जंग को जीता है देश के सभी नागरिकों का जीवन भारत सरकार द्वारा निशुल्क वैक्सीनेशन के माध्यम से सुरक्षित हुआ है मृत्यु अटल सत्य है परंतु यह हमारा नैतिक दायित्व है कि हम स्वैच्छिक रक्तदान द्वारा देश की ब्लड बैंकों को इतना समृद्ध कर दें कि खून की कमी से कोई व्यक्ति असमय काल का ग्रास ना बने जन समूह में जागरूकता पैदा करने और उन्हें स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से आगामी 17 सितंबर 2022 को देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के कस्बा नगरों महानगरों सहित ग्रामीण अंचलों में लगभग 2000 रक्त संग्रह बूथ स्थापित कर रक्तदान का महा अभियान चलाया जाएगा। इसी प्रकार के रक्तदान शिविर के माध्यम से 6 सितंबर 2014 को देश के 286 स्थानों पर 682 रक्तदान शिविरों के माध्यम से 100212 यूनिट रक्त संग्रह के साथ संस्था ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम अंकित करवाया था यदि विशेष उल्लेखनीय है कि 17 सितंबर 2022 को अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद अपने 58 वें स्थापना दिवस को मना रहा है इसी के साथ एक सुखद संयोग का प्रसंग और जुड़ कर इस दिन को विशेष महत्व प्रदान कर रहा है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी का 72 वा जन्मदिवस भी इसी दिन है।

एमबीडीडी राष्ट्रीय सह प्रभारी श्री सौरभ पटावरी ने जानकारी दी के पूरे देश का कंट्रोल रूम सूरत में स्थापित है जो पूरे देश के रक्तदाता के डाटा को कंपाइल करेगा यह हमारे लिए गर्व की बात है। 17 सितंबर 2022 को आयोजित रक्तदान शिविर के संदर्भ में जानकारी देते हुए तेरापंथ युवक परिषद सूरत अध्यक्ष श्री अमित सेठिया ने बताया कि तेरापंथ युवक परिषद सूरत लगभग 50 रक्तदान शिविरों का आयोजन सूरत सूरत के बाहर एवं विदेशों में कर रहा है जिसमें लगभग 3500 यूनिट रक्त एकत्रित करने का लक्ष्य रखा गया है।

उल्लेखनीय है कि गृह राज्यमंत्री श्री हर्ष भाई संघवी की ऑफिस पर रक्तदान शिविर का आयोजन हो रहा है जिसमें श्री हर्ष भाई संघ भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे। जिसमें सूरत की सबसे बड़ी डेयरी उत्पादन करने वाली संस्था "सुमुल डेयरी", मार्केट विस्तार के 5 मार्केट, जीएसटी ऑफिस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की हेड ऑफिस, रेलवे स्टेशन, आईटीसी बिल्डिंग मजूरा गेट, शांतनम, एमएलए श्री हर्ष भाई संघवी की ऑफिस, बी एन आई तथा डायमंड यूनिट जैसे धर्मानंद डायमंड, ब्लू स्टार डायमंड, चॉइस डायमंड, रॉयल डायम युनिट के वहां रक्तदान शिविरों का आयोजन हो रहा है।

कुंभारिया सामूहिक दुष्कर्म मामले में क्राइम ब्रांच ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

सूरत। गत रविवार को सूरत के कुंभारिया क्षेत्र में एक युवती के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म केस में क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता मिली है। सूरत क्राइम ब्रांच ने अलग अलग टीमें बनाकर आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए दिन-रात एक कर दिए और आज तीन आरोपियों को दबोच लिया। जबकि अन्य दो आरोपियों को वांटेड घोषित कर तलाश तेज की है। जानकारी के मुताबिक सूरत के गोडादरा क्षेत्र में अपने बहन-बहनोई के साथ रहनेवाली 2। वर्षीय युवती जरी के फैक्ट्री में करती है। मध्य प्रदेश की मूल निवासी युवती को तीन महीने पहले वराछा के मातावाडी क्षेत्र में रहनेवाले एक युवक से प्यार हो गया था। 11 सितंबर को नौकरी छूट कर युवती घर पहुंची तो उसके प्रेमी का फोन आया। प्रेमी ने कहा कि बहुत दिनों से मिले नहीं हैं चलो कहीं घूमकर आते हैं। मैं सोसायटी के बाहर नुक्कड़ पर खड़ा हूं। प्रेमी के कहने पर युवती अपने घर से निकली और दोनों मोटर साइकिल पर देवध रोड पर रघवीर मार्केट के निकट बैठे थे। उस वक्त वहां से गुजर रहे पांच युवक प्रेमी जोड़े के पास पहुंचे और कहा कि हमारे साथ चलो वर्ना मार डालेंगे। डरा-धमकाकर पांचों शख्स प्रेमी जोड़े को देवध गांव की ओर रास्ते में केले के एक खेत में ले गए। जहां युवती के प्रेमी के हाथ-पैर बांध दिए। उसके बाद पांचों शख्सों ने युवती के साथ बारी बारी सामूहिक दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद आरोपियों ने प्रेमी जोड़े से उनके मोबाइल ले लिए और धमकी दी कि अगर किसी से कुछ भी कहा तो जान से मार देंगे। जिसके बाद सभी पांचों आरोपी वहां से फरार हो गए। घटना बाद युवक ने अपनी प्रेमिका को उसके घर छोड़ा। दूसरे दिन युवती ने पूणा पुलिस थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरतको देखते हुए जांच सूरत क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई। क्राइम ब्रांच ने युवती के वर्णन के आधार पर आरोपियों के आर्टिस्ट से स्कैच बनवाए और अलग अलग टीमें बनाकर शहर के अलग अलग इलाकों में ह्युमन सर्वेलन्स की मदद से तलाश शुरू कर दी। उस वक्त पता चला कि पांच में से तीन आरोपी राजीवनगर झुग्गी बस्ती में रहते हैं। सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच ने जांच की और तीन आरोपियों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों में 22 वर्षीय विदेशी उर्फ टकला उर्फ विकास उमेश यादव, 25 वर्षीय गोपाल सुखदेव मन्ना और 21 वर्षीय जितेन्द्र उर्फ फूलचंद मनोहर यादव शामिल हैं। विदेशी उर्फ टकला उर्फ विकास उमेश यादव और जितेन्द्र उर्फ फूलचंद मनोहर यादव बिहार के तथा गोपाल सुखदेव मन्ना पश्चिम बंगाल का निवासी है। अन्य दो आरोपियों को वांटेड घोषित कर क्राइम ब्रांच ने जल्द ही दोनों गिरफ्तार करने की दिशा में कवायद तेज कर दी है।

अहमदाबाद के बाद अब सूरत में निर्माणाधीन इमारत की 14वीं मंझिल से गिरे 2 श्रमिकों की मौत

सूरत। अहमदाबाद में निर्माणाधीन बिल्डिंग दुर्घटना में । श्रमिकों की घटना को लोग अभी भूले नहीं थे कि आज सूरत में ऐसे ही एक हादसे ने दो मजदूरों की जान ले ली। सूरत के पांडेसरा में हुई इस घटना की स्थानीय पुलिस जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक सूरत के पांडेसरा क्षेत्र के तिरुपतिनगर में पेलेडियम इंफ्रा नामक 15 मंझिला इमारत का निर्माण कार्य चल रहा है। जहां आज सुबह कई मजदूर काम कर रहे थे। उस दौरान इमारत की 14वीं मंझिल पर काम कर रहे 22 वर्षीय आकाश उर्फ बोर्से और 25 वर्षीय निलेश पाटील नामक दो श्रमिकों ने अपना संतुलन गंवा दिया और सीधे जमीन पर जा गिरे। इस हादसे में सिर समेत शरीर में गंभीर चोट लगने से आकाश और निलेश की मौत हो गई। हादसे के बाद इमारत में काम कर रहे अन्य श्रमिक घटनास्थल पर जमा हो गए। एक श्रमिक ने बताया कि आकाश और निलेश महाराष्ट्र के अमलनेर के मूल निवासी थे। गणोत्सव की छुट्टी के बाद 10 दिन पहले ही दोनों महाराष्ट्र से सूरत मजदूरी के लिए आए थे और दो दिन पहले ही इस निर्माणाधीन बिल्डिंग में काम करना शुरू किया था। घटना की खबर मिलते ही पांडेसरा पुलिस मौके पर पहुंच गई और शवों को पोस्टमार्टम के लिए सूरत के नए सिविल अस्पताल भेज आगे की कार्यवाही शुरू की।

फ्लिपकार्ट का सेलर प्लेटफॉर्म मजबूत हो रहा है: प्लेटफॉर्म ने पिछले साल की तुलना में विक्रेताओं में 220 प्रतिशत की वृद्धि देखी

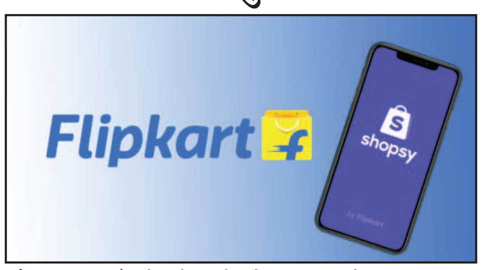

बेंगलुरू। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने अपने प्लेटफॉर्म पर नए विक्रेता भागीदारों को शामिल करने में पिछले साल की तुलना में इस साल 220 प्रतिशत की वृद्धि देखी है। इस फेस्टिव सीजन में 11 लाख बिजनेस (शॉप्सी समेत) हिस्सा लेंगे। यह उस भरोसे का प्रमाण है जो भारतीय MSMEs, छोटे व्यवसायों और उद्यमों के पास आज Flipkart और शॉप्सी में ई-कॉमर्स और डिजिटलीकरण की शक्ति का उपयोग करने के लिए अपने व्यवसायों को आधुनिक बनाने, बाजार पहुंच का विस्तार करने और अपने राजस्व में सुधार करने के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में है।

प्लेटफॉर्म ने मेट्रो शहरों, टियर-टू और टियर-थ्री शहरों और छोटे शहरों सहित भारत के सभी कोनों से विक्रेताओं को जोड़ा है। ऑन-बोर्ड अधिकांश नए वेंडर ऐसे उत्पादों में योगदान करते हैं जो लाइफस्टाइल और बुक्स, जनरल मर्चेंडाइज एंड हाउसहोल्ड (बीजीएमएच) श्रेणी के अंतर्गत आते हैं। इस साल की शुरुआत में, फ्लिपकार्ट ने कई नीतिगत बदलाव पेश किए और उद्योग के पहले मार्केटप्लेस में नई क्षमताओं को जोड़ा, जो ई-कॉमर्स पारिस्थितिकी तंत्र को अधिक समावेशी बनाता है, जो विक्रेता भागीदारों के विकास, समृद्धि और सशक्तिकरण में योगदान देता है। नीति परिवर्तन और क्षमता मिश्रण में सर्वश्रेष्ठ-इन-क्लास भुगतान नीति और कार्यशील पूंजी विकल्प, इसमें निर्बाध ऑन-बोर्डिंग और लिस्टिंग, प्रदर्शन करने वाले विक्रेताओं के लिए कम रिटर्न लागत शामिल है, इसके अलावा, यात्रा की आवश्यकता क्लियरट्रिप के साथ समझौते से जुड़ी हुई है, इसके साथ अन्य संबद्ध लाभ भी शामिल हैं।

MSMEs भारतीय अर्थव्यवस्था में जो मूल्य लाते हैं, उसकी सराहना करते हुए, फ्लिपकार्ट समूह के मुख्य कॉर्पोरेट अधिकारी, रजनीश कुमार कहते हैं, "हमारे अधिकांश विक्रेता भागीदार MSME और छोटे व्यवसाय हैं, जो मूल्य वर्धित, विभेदित और सस्ती पेशकश लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय उपभोक्ता फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म के माध्यम से खेल रहे हैं।

ये व्यवसाय भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और यही कारण है कि हम इन व्यवसायों की मदद करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं, हम उन्हें पूरे भारत में उपभोक्ताओं तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए ई-कॉमर्स के माध्यम से उनकी मदद करके उनके विकास में तेजी लाने का सबसे अच्छा विकल्प दे रहे हैं। हम भारत के आर्थिक विकास की कहानी का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित और प्रतिबद्ध हैं।

हम देश भर में एमएसएमई की विकास क्षमता को उजागर करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं, ताकि उन्हें डिजिटल अर्थव्यवस्था में नवाचार करने और देश में लाखों नई नौकरियां पैदा करने में मदद करने के अधिक अवसर मिल सकें।

आईडीएफ वर्ल्ड डेयरी समिट-2022 का समापन

ग्रेटर नोएडा । चार दिवसीय आईडीएफ वर्ल्ड डेयरी समिट-2022 का गुरूवार को समापन हो गया। इसमें अंतराष्ट्रीय स्तर पर डेयरी क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों एवं पर्यावरण पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव के मद्देनज़र सतत विकास का संकल्प लिया गया।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी विकास मंत्री पुरूषोत्तम रूपाला ने कहा कि भारत सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने लिए सतत विकास मानकों को दूध उत्पादकों पर थोपे जाने के बजाय इसे अपनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार कृषि क्षेत्र के अपशिष्ट के मुद्दे से निपटने को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, जिसके लिए च्अपशिष्ट से धनोपार्जन' कार्यक्रम सहित कई पहलों में किसानों की आय बढ़ाने के लिए गोबर का उचित उपयोग शामिल है।

श्री रूपाला ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह सहित कई वरिष्ठ कैबिनेट सहयोगियों द्वारा शिखर सम्मेलन में भागीदारी भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वहीं भारत की प्रतिबद्धता पर बल देते हुए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के अध्यक्ष श्री मीनेश शाह ने कहा कि डेयरी क्षेत्र द्वारा जैविक-गैस और खाद आधारित ऊर्जा संयंत्रों जैसी छोटी-छोटी पहलें 6 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुरूप हैं।

पोषण और आजीविका के लिए डेयरी शिखर सम्मेलन का विषय पर श्री शाह ने सम्मेलन के दौरान दुनिया के साथ भारत के अनुभव को साझा करते हुए कहा, "भारत वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति को और मजबूत करेगा क्योंकि देश में डेयरी व्यवसाय विकास की ओर अग्रसर है, जिसके अभी तेरह ट्रिलियन रुपये से दशक के अंत तक 30 ट्रिलियन रुपये तक पहुंचने की आशा है। इस विकास के प्रमुख योगदानकर्ता महिलाओं सहित छोटे किसान हैं, जिन्होंने प्रौद्योगिकी और डिजिटल लेनदेन तंत्र के तेजी से विस्तार को अपनाया है। हमारे नायक 8 करोड़ डेयरी किसान हैं, जिनमें महिलाओं का योगदान 70 प्रतिशत है।"

उन्होंने भारत में 48 वर्षों के बाद आयोजित हुए इस सम्मेलन में विचार-मंथन के लिए शामिल हुए संयुक्त राज्य अमेरिका से दक्षिण अफ्रीका, जापान से कनाडा सहित 50 से अधिक देशों के 1500 से अधिक प्रतिनिधियों सहित वैश्विक विशेषज्ञों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट के सदस्यों के प्रमुख सत्रों सहित दुनिया भर के प्रमुख डेयरी विशेषज्ञों ने 24 सत्रों में भाग लिया, जिसमें सतत विकास से लेकर उत्पादकता, पोषण आहार और स्वास्थ्य तक कई मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि 23 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ आज भारत विश्व नेतृत्व की स्थिति में है। समापन सत्र में केंद्रीय पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के सचिव श्री जितेंद्र नाथ स्वैन ने डेयरी और इसकी सतत विकास को अगले स्तर तक ले जाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

डेयरी क्षेत्र के समक्ष पशु कल्याण, खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण की तीन मुख्य चुनौतियों को सूचीबद्ध करते हुए अंतर्राष्ट्रीय डेयरी महासंघ (आईडीएफ) के अध्यक्ष श्री पियरक्रिस्टियानो ब्रेजाले ने भारत के डेयरी क्षेत्र में डिजिटलीकरण की सराहना करते हुए कहा, "मैं भारत के डेयरी उद्योग में डिजिटलीकरण के स्तर से बहुत हैरान हूं।" सुश्री कैरोलिन एमोंड, महानिदेशक, अंतर्राष्ट्रीय डेयरी संघ ने जलवायु परिवर्तन के अनुपालन और सतत विकास को सुनिश्चित करने के लिए भारत के साथ शेष विश्व के डेयरी क्षेत्र के साथ काम करने का वादा किया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)